

साप्ताहिक

मोर्निंग सिटी

सच के साथ...

वर्ष - 10 अंक 43, 15 फरवरी से 21 फरवरी, 2026

मूल्य- 10 रुपये | पृष्ठ 8

WWW :morningcity.in

यूपी का सर्वश्रेष्ठ न्यूज प्लेटफॉर्म

मोर्निंग सिटी



सीबीएसई ने बनाए 'ड्रेस कोड' के कड़े नियम, छोटी सी चूक पड़ सकती है भारी

एजेंसी ►► नई दिल्ली

सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 17 फरवरी से 11 मार्च तक और 12वीं की परीक्षा 17 फरवरी से 10 अप्रैल 2026 तक आयोजित की जाएगी। परीक्षाओं को लेकर छात्रों के बीच तैयारी को लेकर तनाव के साथ-साथ उत्साह भी बना हुआ है। परीक्षा के दिन किसी भी प्रकार की अचूक-तफरी और मानसिक दबाव से बचने के लिए बोर्ड ने इस बार ड्रेस कोड और सुरक्षा प्रोटोकॉल को लेकर स्पष्ट गाइडलाइन जारी की है। इन नियमों का मुख्य उद्देश्य परीक्षा को पारदर्शी, निष्पक्ष और सुरक्षित बनाना है। परीक्षा केंद्र पर बिना एडमिट कार्ड प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

क्यों जरूरी है ड्रेस कोड का पालन?

अक्सर छात्र यह सोचते हैं कि परीक्षा के लिए विशेष पहनावा क्यों आवश्यक है? बोर्ड के अनुसार, सुरक्षा जांच के दौरान भारी कपड़े, धातु की वस्तुओं या अधिक जेब वाले परिधानों के कारण समय नष्ट होता है। सादे कपड़ों में चेकिंग जल्दी होती है, जिससे छात्रों को लंबी लाइनों में खड़ा नहीं होना पड़ता और वे शंत मन से परीक्षा कक्ष में प्रवेश कर पाते हैं।

नियमों का मुख्य उद्देश्य परीक्षा को पारदर्शी, निष्पक्ष और सुरक्षित बनाना



छात्रों की दोनों केटेगरी के लिए ये नियम

नियमित छात्र : जो छात्र स्कूल के माध्यम से परीक्षा दे रहे हैं, उनके लिए पूरी स्कूल यूनिफॉर्म अनिवार्य है। अग्रेजी ड्रेस होने पर प्रवेश में विकट आ सकती है। प्राइवेट छात्र : प्राइवेट के तौर पर परीक्षा दे रहे विद्यार्थियों को हल्के रंग की साधारण शर्ट या टी-शर्ट और प्लेन ट्राउजर (पैट) पहनने की सलाह दी गई है। इनसे बचे : ऐसे कपड़े जिनमें बड़े बटन, बहुत सारी ज़िप या धातु के हुक लगे हों, उन्हें न पहनें। जूतों के मामले में भी भारी या 'हाई-एकल' बूट्स के बजाय साधारण सैडल या चप्पल पहनना सबसे सुरक्षित विकल्प है।

छात्रों के लिए विशेष दिशा-निर्देश

पहनावा: नियमित छात्रों स्कूल यूनिफॉर्म में आए, जबकि प्राइवेट छात्रों हल्के और आरामदायक कपड़े पहनें। भारी कपड़े या डिजाइनर कपड़ों से परहेज करें। आभूषणों पर पाबंदी: परीक्षा केंद्र के भीतर किसी भी प्रकार के गहने जैसे- झुमके, अंगूठी, नाक की पिन, पायल, चुड़िया, बैसलेट या नेकलेस पहनकर आने की अनुमति नहीं है। फुटवियर और एक्सेसरीज: हाई-हील्स के बजाय फ्लैट चप्पल या सैडल पहनें। बालों में भी किसी भी प्रकार की धातु वाली वस्तुएं या भारी एक्सेसरीज न लगाएं।

छात्र इन बातों का विशेष ध्यान रखें

अनिवार्य दस्तावेज: अपने साथ एडमिट कार्ड और स्कूल आईडी कार्ड ले जाना न भूलें। इनके बिना केंद्र में प्रवेश वर्जित है। प्रतिबंधित वस्तुएं: मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच, ब्ल्यूटूथ डिवाइस, ईयरफोन या कैमराकुलेंटर जैसे किसी भी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट को घर पर ही छोड़ दें। समय प्रबंधन: टैफिक और सुरक्षा जांच के समय को ध्यान में रखते हुए परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से कम से कम 30-45 मिनट पहले पहुंचें। सहयोगात्मक व्यवहार: जांच के दौरान सुरक्षा कर्मियों और स्कूल स्टाफ के साथ शांति बनाए रखें और पूरा सहयोग करें। प्रश्नपत्र के निर्देश: सॉट पर बैठने के बाद प्रश्नपत्र मिलते ही सबसे पहले उस पर लिखे निर्देशों को ध्यान से पढ़ें। जल्दबाजी में की गई गलती पूरे पेपर को प्रभावित कर सकती है। विशेष टिप: हल्का और साधारण पहनावा न केवल आपको शारीरिक रूप से आरामदायक महसूस कराएगा, बल्कि चेकिंग की प्रक्रिया को भी तेज और तनावमुक्त बना देगा।

खबर संक्षेप

एलओसी के पास ड्रोन से गिराई 6.5 किलो हेरोइन जब

जम्मू। जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर शनिवार को सीमा पार से ड्रोन द्वारा की गई नशीले पदार्थों की तस्करी की एक बड़ी कोशिश को नाकाम करते हुए 40 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 6.5 किलोग्राम से अधिक हेरोइन जब्त की गई। अधिकारियों ने बताया कि सीमा पार से ड्रोन के जरिए सामग्री गिराए जाने की सूचना मिलने पर तलाशी के दौरान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास के खेत में हेरोइन से भरे पीले रंग के दो पैकेट बरामद किए गए, जिनमें 6.582 किलोग्राम हेरोइन थी। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान में एक /"बड़ी उपलब्धि/" करार दिया। ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से हेरोइन की तस्करी करने के आरोप में दो लोगों की गिरफ्तारी के एक दिन बाद हुई है।

झारखंड के दुमका में मां बेटी की हत्या, एक गिरफ्तार रांची। झारखंड के दुमका जिले में एक महिला और उसकी पांच वर्षीय बेटी की हत्या करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने महिला से दुकर्म का प्रयास किया था और विरोध करने पर उसने इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार, यह घटना मंगलवार शाम को तब हुई जब 35 वर्षीय महिला अपनी पांच वर्षीय बेटी के साथ वीर कुंवर सिंह चौक के पास खड़ी थीं तभी आरोपी उसे डरा-धमकाकर सूतसागन इलाके में ले गया। जब महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी और बच्ची का भी गला घोट दिया।

बांग्लादेश के लोगों को अब मिली असली आजादी और अधिकार

एजेंसी ►► ढाका

बांग्लादेश के 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव में बीएनपी को पूर्ण बहुमत मिलने के बाद पार्टी अध्यक्ष ताकिर रहमान ने इसे जनता की जीत बताया है। उन्होंने कहा कि यह जीत लोकतंत्र के लिए बलिदान देने वाले लोगों को समर्पित है। चुनाव नतीजों के बाद ढाका के एक होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में ताकिर रहमान ने कहा कि आज से देश में आजादी और अधिकारों का असली स्वरूप फिर से बहाल हुआ है। बीएनपी प्रमुख ने स्पष्ट कहा कि किसी भी कौमरत पर कानून व्यवस्था बनाए रखी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी बहाने से किसी के साथ अन्याय नहीं

होना चाहिए। सुरक्षित और मानवीय बांग्लादेश बनाने के लिए सबसे सहयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अब देश के पुनर्निर्माण का समय है और हर शक्ति को जिम्मेदार भूमिका निभानी होगी। उन्होंने समर्थकों से भी संयम बरतने और शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने सभी दलों से राष्ट्रीय एकता बनाए रखने की अपील भी की।

देशहित में राष्ट्रीय एकता ही सबसे बड़ी ताकत

ताकिर रहमान ने कहा कि अलग-अलग राजनैतिक विचार हो सकते हैं, लेकिन देशहित में सभी को सशान रहना होगा। उन्होंने जाँच वेयर कहा कि राष्ट्रीय एकता ही सबसे बड़ी ताकत है और बांटवारा सबसे बड़ी कमजोरी। रहमान ने कहा कि लोगों ने लगातार आवाजें की हैं कि एक लोकतंत्र की राह दोबारा खोज ली है और सीधे सीधे से जवाबदेह संसद और सरकार को वापसी हुई है। उन्होंने मतदाताओं का आभार मंगा।

समुद्र-तल ऑप्टिकल फाइबर केबल से अंडमान निकोबार में डिजिटल कनेक्टिविटी का नया युग

श्री विजयपुरम

देश के दूरस्थ द्वीपों को सशक्त डिजिटल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के रूप में समुद्र-तल ऑप्टिकल फाइबर केबल (सबमरीन ऑप्टिकल फाइबर केबल) परियोजना ने अंडमान और निकोबार द्वीप में दूरसंचार सेवाओं की तस्वीर बदल दी है। तेज, स्थिर और विश्वसनीय इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ द्वीपसमूह अब शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासन, पर्यटन और व्यापार जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की ओर अग्रसर है।

यह परियोजना युनिवर्सल सर्विस ऑब्बिगेशन फंड के माध्यम से, दूरसंचार विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित है। परियोजना का उद्देश्य भौगोलिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण और दुर्गम क्षेत्रों तक उच्च गुणवत्ता वाली दूरसंचार सेवाएं सुनिश्चित करना है। नेटवर्क का क्रियान्वयन भारत संचार निगम लिमिटेड द्वारा किया गया, जिसमें तकनीकी सहयोग जापान की एन

आम जीवन पर सकारात्मक प्रभाव लंबी दूरी में सिगनल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मार्ग में लगभग 125 किलोमीटर के अंतराल पर 12 ऑप्टिकल रिपीटर स्थापित किए गए हैं। सबसे लंबे केबल प्राथमिक कनेक्टिविटी माध्यम के रूप में कार्यरत है, जबकि जीएसएटी-16, जीएसएटी-17 और जीएसएटी-18 जैसे उपग्रह बैकअप नेटवर्क के रूप में संचार सुनिश्चित करते हैं। छात्रों के लिए ऑनलाइन शिक्षा अधिक सुचारु हुई है, टेली-चिकित्सा सेवाओं के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों के मरीज विशेषज्ञ चिकित्सकों से जुड़ पा रहे हैं, और ई-गवर्नेंस सेवाएं तेजी से उपलब्ध हो रही हैं।

ई सी कॉरपोरेशन ने प्रदान किया। परियोजना के प्रभाव और तकनीकी विशेषताओं पर जानकारी देते हुए श्रीमती नीमा राय भारत संचार निगम लिमिटेड की श्री विजयपुरम में पदस्थ अधिकारी, ने बताया कि अगस्त 2020 में इस नेटवर्क को राष्ट्र को समर्पित किया गया। उन्होंने कहा कि समुद्र-तल केबल के प्रारंभ होने से पहले द्वीपों की कनेक्टिविटी मुख्यतः उपग्रह आधारित संपर्क पर निर्भर थी, जिसके कारण

मां ने तीन बच्चों को पिला दी 'मौत की चाय', तीनों ने दम तोड़ा

एजेंसी ►► अलीराजपुर

मध्यप्रदेश के अलीराजपुर जिले से एक बेहद दर्दनाक और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, आम्बुआ थाना क्षेत्र के ग्राम अडवाड़ा निवासी 30 वर्षीय नूर बाई पति मुकेश ने शुक्रवार शाम घर में रखी कीटनाशक दवा को चाय में मिलाया। उसने अपनी दो बेटियों और एक बेटे को वह चाय पिलाई और खुद भी पी ली। कुछ ही देर में बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी, जिसके बाद परिजन को घटना की जानकारी हुई। सभी को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

माप के अलीराजपुर में दर्दनाक घटना



बच्चों की इहलीला समाप्त, मां घबराई : पुलिस ने बताया कि तीनों ने सबसे बड़ी बेटी सावित्री (7) की मौत जिला अस्पताल में हो गई। बेटे कार्तिक (5) और छोटी बेटी दिव्या (3) को मां के साथ गुजरने के दोहोरे रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान दोनों बच्चों ने भी दम तोड़ दिया। फिजिऑल नूर बाई का इलाज दाहोद के अस्पताल में जारी है और उसकी हालत नजुक्त बर्बाद जा रही है।

पारिवारिक विवाद की आशंका

प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि महिला का पति मुकेश पिछले एक महीने से मजबूरी के लिए गुजरना में था। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि दुश्मनी के बीच हत्या में किसी प्रकार का तनाव या विवाद तो नहीं था। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के पीछे की असली वजह स्पष्ट हो सकेगी।

समुद्र में 2300 किलोमीटर केबल

पीएम मोदी ने किया था नेटवर्क का उद्घाटन

मौलतलब है कि इस नेटवर्क का उद्घाटन अगस्त 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था। यह परियोजना न केवल डिजिटल अवसररचना को सुदृढ़ करती है, बल्कि सामाजिक-आर्थिक विकास, प्रशासनिक दक्षता और राष्ट्रीय एकीकरण को भी नई मजबूती प्रदान करती है।

सीमित बैंडविड्थ और अधिक विलंबता जैसी चुनौतियां बनी रहती थीं। नई केबल प्रणाली ने इन बाधाओं को काफी हद तक दूर कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, श्री विजयपुरम को जोड़ते हुए आगे स्वरारा द्वीप (हैवलॉक), लॉग आइलैंड, रंगत, लिटिल अंडमान, कार निकोबार, कर्माटा और ग्रेट निकोबार सहित प्रमुख द्वीपों तक विस्तारित है। उच्च गति और कम विलंबता वाली ब्रॉडबैंड सेवाओं ने डिजिटल संचार को अधिक सुचारु और भरोसेमंद बनाया है।

परियोजना के तहत लगभग 2,308 किलोमीटर लंबी समुद्र-तल ऑप्टिकल फाइबर केबल तथा 62 किलोमीटर स्थलीय केबल बिछाई गई है। कुल मिलाकर 2,370 किलोमीटर से अधिक का नेटवर्क अवसररचना विकसित की गई है। नेटवर्क को उच्च स्तर की अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था (रेडंडेंसी) के साथ डिजाइन किया गया है, जिससे किसी तकनीकी बाधा की स्थिति में सेवाएं निबाध बनी रहें।

एसी के साथ अब जनरल कोच की भी हर घंटे होगी सफाई

एआई से निगरानी; गंदगी मिलने पर वेंडर पर होगा एक्शन



नई दिल्ली

रेल मंत्री ने रेलवे रिफॉर्म प्लान 2026 के तहत 52 हफ्तों में 52 सुधार लागू करने की घोषणा की है। शनिवार को उन्होंने बताया पहले चरण में ट्रेनों की साफ-सफाई को प्राथमिकता दी जाएगी और इसके लिए सभी कोच में व्यापक सफाई अभियान चलाया जाएगा। रेल मंत्री के मुताबिक, इस योजना को शुरूआती चरण में हर जो को 4 से 5 ट्रेनों को शामिल किया जाएगा। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से लंबी दूरी की कोच 80 ट्रेनों के एसी कोचों के साथ साथ जनरल कोचों में भी सफाई व्यवस्था लागू की जाएगी। इस दौरान टॉयलेट, डस्टबिन और कोच की सफाई के साथ किसी भी तकनीकी या मैकेनिकल समस्या की भी जांच की जाएगी। पीक आवार में सफाई व्यवस्था मजबूत करने के लिए अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती की जाएगी। साथ ही सफाई की निगरानी के लिए तकनीक का इस्तेमाल होगा। रेल मंत्री ने बताया कि एआई आधारित तस्वीरें कंट्रोल रूम में भेजी जाएंगी, जिससे रियल टाइम मॉनिटरिंग हो सकेगी। सफाई मानकों में कमी मिलने पर संबंधित वेंडर पर कार्रवाई की जाएगी, जबकि बेहतर प्रदर्शन करने वाले वेंडरों को ही आगे कौन्ट्रिफ दिए जाएंगे। रेल मंत्री ने कहा कि इस व्यवस्था के लागू होने से रेलवे पर अतिरिक्त खर्च आएगा, लेकिन यात्रियों के किराए में किसी तरह की बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। जरूरत के मुताबिक रेलवे अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति भी करेगा। लंबी दूरी गाड़ियों के सभी कोचों में हर घंटे साफ सफाई होगी। इस अभियान के तहत एक इंटीग्रेटेड सिस्टम भी लागू जाएगा। जिससे कोच की सफाई व्यवस्था को बेहतर तरीके से मॉनिटर किया जा सकेगा। अगर जनरल कोच कनेक्ट नहीं होगा तो स्टाफ उतरकर जनरल कोच की सफाई करेगा। इसके लिए रूट आधारित टीमों तैनात की जाएगी, जो तय रूट पर लगातार काम करेंगी।

भारत आतंकवाद के समूल नाश के लिए दृढ़ संकल्पित : शाह

पुलवामा की 7वीं बरसी पर दी श्रद्धांजलि



एजेंसी ►► नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने पुलवामा में शहीद हुए 40 वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आतंकवाद मानवता का सबसे बड़ा दुश्मन है और भारत इसके समूल नाश के लिए दृढ़ संकल्पित है। आज पूरा भारत उन 40 वीर सपूतों को याद कर रहा है, जिन्होंने 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में देश की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था।

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि इस आतंकी हमले को आज सात साल बीत चुके हैं, लेकिन उन शहीदों के शौर्य और बलिदान की यादें आज भी हर हिंदुस्तानी के सीने में जल रही हैं। इस भावुक धिवसर पर शाह ने जवानों को नमन करते हुए आतंकवाद के खिलाफ भारत के सख्त इरादों को एक बार फिर दोहराया है। पुलवामा के शहीदों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित अन्य नेताओं व नागरिकों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

ट्वीट केवल श्रद्धांजलि नहीं, 'जीरो टॉलरेंस' की चेतावनी है

गृह मंत्री का यह ट्वीट केवल एक श्रद्धांजलि संदेश नहीं है, बल्कि यह उन ताकतों को एक कड़ी चेतावनी भी है जो भारत की शांति को भंग करने का सपना देखती हैं। मोदी सरकार आतंकवाद के 'समूल नाश' के लिए प्रतिबद्ध है। पुलवामा हमले के बाद भारत ने जिस तरह से बालाकोट एयरस्ट्राइक के जरिए 'घर में घुसकर' जवाब दिया था, वह दुनिया के लिए एक बड़ा संदेश था कि अब भारत किसी भी कायराना हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा।

वीर जवानों के शौर्य को किया स्मरण

पुलवामा की बरसी पर अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, 'पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए वाले हमारे वीर जवानों के शौर्य साहस, समर्पण और बलिदान का स्मरण कर उन्हें नमन करता हूँ। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने भारत दृढ़ संकल्पित है।

जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा

अमित शाह ने कहा कि 14 फरवरी 2019 की उस दोघात को कोई नहीं भूल सकता, जब एक आत्मश्रुति हमलावर ने सीआरपीएफ के कफिले को निशाना बनाया था। उस हमले ने पूरे देश को उम और क्रोध में डूबी दिया था। उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। देश अपने वीर जवानों के बलिदान का सदैव श्रेणी रहेगा।

यूपी डीजीपी के निर्देश: त्योहारों पर बरतें विशेष सतर्कता, सोशल मीडिया पर रखें नजर

लखनऊ

डीजीपी राजीव कृष्ण ने शनिवार को ऑनलाइन अपराध समीक्षा बैठक की। बैठक में सभी एडीजी, पुलिस कमिश्नर, एसएसपी व अन्य अफसरों को निर्देश दिए कि त्योहारों पर विशेष सतर्कता बरती जाए। सोशल मीडिया की निगरानी करें। अगर कोई आपत्तिजनक या विवादित पोस्ट आदि मिलता है तो संबंधित पर कार्रवाई करें। डीजीपी ने कहा कि महाशिवरात्रि, होली और रमजान के मद्देनजर संवेदनशील स्थानों, मंदिरों, मस्जिदों, घाटों और थॉइडहाउस वाले क्षेत्रों में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। होलाका दहन वाले स्थानों पर पहले से ही सुरक्षा का इंतजाम हो। नमाज के दौरान मार्ग प्रबंधन व यातायात व्यवस्था को सुचारु रखा जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि पहले हुए विवादों की समीक्षा कर संबंधित पक्षों से संवाद स्थापित करें। प्रत्येक सूचना पर तत्काल कार्रवाई करें। इसके अलावा उन्होंने कहा कि प्रशिक्षणार्थी 60 हजार आरक्षियों के आगमन को देखते हुए वैरक व आवासीय व्यवस्थाएं दुरुस्त कराएं। आईजीआरएस की शिकायतों के निस्तार में लापरवाही न बरती जाए। डीजीपी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आवंटित बजट का समयबद्ध और पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित करने को कहा। नए आगराधिक कानूनों के प्रभाव क्रियान्वयन, ई-साक्ष और ई-सम्पन्न प्रणाली की व्यक्तिगत मॉनिटरिंग व सीसीटीएनएस 2.0 और आईसीजेएस 2.0 के लिए तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए।



सम्पादकीय

रक्षा सौदे की मंजूरी

फ्रांस के राष्ट्रपति अगले सप्ताह भारत आने वाले हैं। उनके आने से पहले भारत की रक्षा अधिग्रहण परिषद् (डीएसी) ने फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान की खरीद को मंजूरी दी है। यह सौदा 3.25 लाख करोड़ रूपए का होगा। 18 विमान उड़ने वाली स्थिति में मिलेंगे। शेष 96 भारत में बनेंगे। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि परिषद ने तीनों सेनाओं से आए विभिन्न प्रस्तावों को आवश्यकता की स्वीकृति (तकनीकी शब्दावली) की मंजूरी दी है, जिनकी अनुमानित कीमत 3.60 लाख करोड़ रुपये है। हालांकि बयान में विमानों और अन्य उपकरणों की संख्या का उल्लेख नहीं किया गया लेकिन सूत्रों ने बताया कि भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने अपने स्क्वाड्रन की ताकत बढ़ाने के लिए 114 राफेल जेट खरीदने का प्रस्ताव रखा है और भारतीय नौसेना ने अपने मौजूदा 12 विमानों के बेड़े में छह अतिरिक्त पी-8 आई समुद्री विमान शामिल करने की मांग की है। सूत्रों के मुताबिक 114 विमानों की लागत लगभग 30 अरब यूरो (2.70 लाख करोड़ रुपये) होगी। यह स्पष्ट नहीं है कि अनुबंध पर हस्ताक्षर कब होंगे, लेकिन 17-19 फरवरी तक फ्रांस के राष्ट्रपति ईमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा के दौरान इसको स्वीकृति मिलने की उम्मीद है। बयान में कहा गया कि इन विमानों की खरीद से हवाई वर्चस्व वाली भूमिकाओं को निभाने की क्षमता बढ़ेगी और लंबी दूरी के आक्रामक हमलों के साथ वायु सेना की प्रतिरोधक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। अधिकांश एमआरएफए भारत में ही निर्मित किए जाएंगे। इससे पहले सूत्रों ने कहा था कि भविष्य में फ्रांस से भारत को प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण और भारत में संयुक्त सुविधाओं की स्थापना हो सकती है। यह भी कहा गया था कि राफेल जेट्स में स्वदेशी हथियार लगाए जाएंगे। डीएसी ने बुद्ध मिसाइलों और एयर-शिप आधारित हाई-एल्टीट्यूड सुडो सैटेलाइट्स (एसएस एचएपीएस), यानी उच्च ऊंचाई वाले सैटेलाइट्स के प्रस्तावों को भी मंजूरी दी।

श्रीरत्न कुमार सिंह ध्यान समादक

भारतीय वायुसेना को फ्रांस निर्मित लंबी दूरी की हवा से सतह में मार करने वाली स्कैलर मिसाइलों का भंडार प्राप्त करने की अनुमति मिली। स्वदेशी मिसाइलों के अलावा, भारत ने पिछले वर्ष पाकिस्तान के साथ संघर्ष के दौरान स्कैलर का उपयोग किया था। बयान में कहा गया कि कॉन्क्रेट मिसाइलें स्टैंड ऑफ ग्राउंड अटैक क्षमता को गहराई तक मारक शक्ति अत्यधिक सटीकता के साथ बढ़ा देंगी। यह भी कहा गया कि एसएस-एचएपीएस का उपयोग लगातार खुफिया जानकारी, निगरानी और टोही, इलेक्ट्रॉनिक इंटरेलिजेंस, दूरसंचार और सैन्य उद्देश्यों के लिए रिमोट सेंसिंग में किया जाएगा। डीएसी ने भारतीय नौसेना के अमेरिकी निर्मित पी-8आई लंबी दूरी के समुद्री टोही विमान के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। यद्यपि अमेरिका की सरकार पहले ही भारत को छह पी-8 आई विमान बेचने की अनुमति दे चुकी थी, लेकिन वह लंबित व्यापार वार्ता पर निर्भर होगा कि भारत-अमेरिका संबंध किस दिशा में जाते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप ने पिछले वर्ष की शुरुआत में कहा था कि वे चाहते हैं कि भारत अरबों डॉलर मूल्य की अमेरिकी रक्षा सामग्री खरीदे। बयान में कहा गया कि पी 8 आई विमान की खरीद से नौसेना की लंबी दूरी की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमता, समुद्री निगरानी और समुद्री हमलों की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। परिषद ने नौसेना के लिए 04 मेगावाट समुद्री रस टरबाइन-आधारित विद्युत शक्ति जनरेटों के खरीद को मंजूरी दी है। इन्हें रक्षा खरीद प्रक्रिया 2020 की मेक-आई श्रेणी के अंतर्गत स्वीकृत किया गया है, ताकि विदेशी. निमाताओं पर निर्भरता कम की जा सके। भारतीय सेना के जिन प्रस्तावों को परिषद ने गृहवार को मंजूरी दी, उनमें ऐंटी-टैंक मास (विजय) की खरीद और अर्मर्ड रिकवरी व्हीकल्स (एआरवी), टी-72 टैंक और इन्फैंट्री कॉम्बैट व्हीकल्स (बीएफपी-2) का उन्नयन शामिल है।

ब्रह्मपुत्र पर प्रोजेक्ट बनाने वाले चीन को मोदी ने दिया जवाब, नदी के नीचे सुरंग बनाने का किया ऐलान

गीरज कुमार दुबे

मोदी सरकार पूर्वोत्तर को सामरिक और आर्थिक शक्ति का केंद्र मानकर योजनाएं बनाती है और स्वयं प्रधानमंत्री जिस तरह लगातार पूर्वोत्तर क्षेत्र के दौरों के माध्यम से इस क्षेत्र के विकास की गति को रफ्तार देते हैं उसकी बदौलत हाल के वर्षों में यहां की दशा दिशा में बड़ा बदलाव आया है। आज भी असम के डिब्रूगढ़ के पास मोरान बाइपास पर चीन सीमा के करीब बनी आपात लैंडिंग सुविधा पर खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उतर कर बड़ा सामरिक संदेश दिया। साथ ही गोहपुर से नुमालीगढ़ तक प्रस्तावित चार लेन हरित मार्ग और ब्रह्मपुत्र के नीचे सड़क और रेल सुरंग परियोजना मिलकर सुरक्षा, संपर्क और समृद्धि की नई कहानी लिख रहे हैं। यह संयोग नहीं, स्पष्ट रणनीति है।

मोरान बाइपास पर बना 4.2 किमी का सुदृढ़ खंड अब ऐसा राजमार्ग है जो कुछ ही मिनट में सैन्य रनवे में बदल सकता है। विशेष कंक्रीट से बनी यह पट्टी तेज गर्मी और भारी वजन सहने में सक्षम है। इस पर लड़ाकू विमान, भारी परिवहन विमान और हेलिकाप्टर उतर सकते हैं। यह दोहरे उपयोग वाली रैलिसंपर्क है, जो शान्ति के समय जन सुविधा और संकट के समय सैन्य ताकत का आधार बनती है। प्रधानमंत्री का खुद इस पट्टी पर उतरना एक प्रतीक भर नहीं था। यह साफ संकेत था कि भारत अपनी सीमा सुरक्षा को लेकर सजग, सक्रिय और आत्मविश्वासी है। संदेश यह भी कि अब भारत पहले से तैयारी रखने वाला देश है। सीमा के पास तेज तेनाती, त्वरित रसद और वैकल्पिक हवाई पट्टियां किसी भी संघर्ष की स्थिति में खेल बदल सकती हैं। यह सुविधा चीन सीमा से लगभग 300 किमी दूरी पर है। यदि किसी हालात में सुख हवाई अड्डे निशाने पर आए, तो ऐसी पट्टियां वायु सेना को संचालन जारी रखने का विकल्प देती हैं। अलग अलग राजमार्गों पर असे बिंदु बनाकर भारत एक तरह का फैलाव आधारित वायु रक्षा जाल तैयार कर रहा है, जिसे

बड़े लोगों की बातें

संतोष उत्सुक

दुनियावालों ने खास दुनिया वालों से अध्ययन करवाया और बताया कि इस भूख भरी दुनिया में भोजन से सम्बंधित जितना भी उत्सर्जन होता है, उसमें से सत्तर प्रतिशत के लिए सबसे अमीर लोगों में से, तीस प्रतिशत लोग जिम्मेदार हैं। दुनिया भर की दौलत भी तो कुछ प्रतिशत लोगों के पास है और ज्यादा उत्सर्जन भी वही कर रहे हैं।

हमारी प्यारी दुनिया में रहने वाले समझदार लोग, अजब अर्थव्यवस्था और सर्व करते और करनेवाते हैं। ऐसा लगता है सर्व करने वाले हमारे राजनेताओं की तरह हर विषय के विशेषज्ञ होते हैं। इन्हें खास तरह के सर्व करने होते हैं क्यूंकि इन्हें ऐसे सर्व करने ही आते हैं। खबरें देने वालों का भी ऐसा ही बढ़िया हाल है। ऐसी ऐसी खबरें परोसते हैं, लगता है किसी खास रंग और ढंग के बर्तन में पकाते हैं। बर्तन अमीर ही किस्म के होते होंगे जिनमें दूसरी किस्म की खबरें पक नहीं सकती। वैसे सज्जी के मामले में नहीं दाल के मामले में ऐसा कहा जाता है कि दाल नहीं गलती। शायद भाप के



निष्क्रिय करना किसी भी विरोधी के लिए कठिन होगा। इसका महत्व केवल युद्ध तक सीमित नहीं है। बाढ़, भूकंप या किसी आपदा के समय यही पट्टियां राहत का जीवन मार्ग बन सकती हैं। भारी विमान सीधे राहत सामग्री, बचाव दल और चिकित्सा सहायता लेकर दूर दराज इलाकों तक पहुंच सकते हैं। पूर्वोत्तर जैसे संवेदनशील और भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में यह क्षमता अमूल्य है।

अब बात दूसरी बड़ी पहल की। केंद्र सरकार ने गोहपुर से नुमालीगढ़ तक लगभग 33.7 किमी लंबे चार लेन नियंत्रित हरित मार्ग को मंजूरी दी है। इसकी लागत 18,662 करोड़ रुपए है। इस परियोजना का सबसे साहसिक हिस्सा है ब्रह्मपुत्र के नीचे 15.79 किमी लंबी टिवन ट्यूब सड़क और रेल सुरंग। यह केवल इंजीनियरिंग का कमाल नहीं, रणनीतिक सोच का उदाहरण है। अभी गोहपुर से नुमालीगढ़ पहुंचने में करीब 240 किमी और छह घंटे लगते हैं। नया मार्ग समय और दूरी दोनों घटाएगा। इससे असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और अन्य राज्यों में माल ढुलाई तेज होगी, लागत घटेगी और व्यापार बढ़ेगा। यह मार्ग कई आर्थिक

दबाव का फर्क पड़ता होगा। दाल के पूर्वजों ने बर्तनों से वायदा किया होगा कि हमारा साल हमेशा बना रहे। लोग हमारे बारे चर्चा करें, तारीफ करें और स्वाद का जिक्र हो। इसलिए खास किस्म की दाल उसी खास बर्तन में पकेगी और अच्छी तरह से गलकर स्वाद भी बनेगी। तारीफ होना तो उसकी किस्मत में है।

दुनियावालों ने खास दुनिया वालों से अध्ययन करवाया और बताया कि इस भूख भरी दुनिया में भोजन से सम्बंधित जितना भी उत्सर्जन होता है, उसमें से सत्तर प्रतिशत के लिए सबसे अमीर लोगों में से, तीस प्रतिशत लोग जिम्मेदार हैं। दुनिया भर की दौलत भी तो कुछ प्रतिशत लोगों के पास है और ज्यादा उत्सर्जन भी वही कर रहे हैं। भोजन और प्रदूषण के आपसी संबंधों पर अध्ययन करने वाले यशस्वी विशेषज्ञ ऐसा बताते हैं कि अमीर लोग खाना बर्बाद कर रहे हैं इसलिए धरती ज्यादा गर्म हो रही है। ज्यादा पैसा भी क्या क्या गुस्ताखियां करवाता है। उन्होंने बहुत स्वादिष्ट समाधान बताए, जैसे रेड मीट का उतानेदन कम हो, सब्जी, भेवे और शाकाहार बढ़े। गाय और बकरियां ज्यादा न हों। अब कौन सा अमीर इन्हें खालेगा? और कौन सा छोड़ देगा, कोई सर्व करने वाला बता सकता है।। बड़े लोगों की बातें ज्यादा होती हैं। ज्यादा बड़े लोगों की बातों का आकार ज्यादा बड़ा होता है। मारे देश के बुद्धिमान लेखक राजनेता ने अमेरिका के सबसे बड़े आदमी से

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की वैचारिक क्रांति

ललित गर्ग

बांग्लादेश की राजनीति एक बार फिर इतिहास के मोड़ पर खड़ी है। लगभग दो दशकों के लंबे अंतराल के बाद यदि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में लौटती है और तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की दावेदारी तक पहुंचते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक दिशा परिवर्तन का संकेत होगा। 299 सीटों में से 212 पर विजय का दावा इस बात का प्रमाण है कि मतदाता लंबे समय से चली आ रही अस्थिरता, अंतरिम व्यवस्थाओं और वैचारिक ध्रुवीकरण से बाहर निकलकर एक निर्णायक जनादेश देना चाहता है। छात्र आंदोलन से उपजी नेशनल सिटीजन पार्टी का मात्र छह सीटों पर सिमटना भी इस तथ्य को पुष्ट करता है कि जनभावना प्रयोगधर्मिता से आगे बढ़कर स्थायित्व की ओर झुक रही है। लगभग अठारह महीने से चल रही अंतरिम व्यवस्था के अवसान के साथ बांग्लादेश एक नए अध्याय में प्रवेश करने जा रहा है, पर प्रश्न यह है कि यह अध्याय उदार लोकतंत्र का होगा या किसी नए प्रकार के वैचारिक वर्चस्व का?

बांग्लादेश का इतिहास संघर्ष, त्याग और पहचान की जिजीविषा से निर्मित हुआ है। 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत की निर्णायक भूमिका केवल सैन्य सहायता तक सीमित नहीं थी, वह सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग का भी प्रतीक थी। परंतु पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक ध्रुवीकरण, कट्टरवादी विमर्श और बाहरी प्रभावों ने उस ऐतिहासिक आत्मीयता पर धुंध डालने का प्रयास किया। अंतरिम सरकार के दौरान जिस प्रकार वैचारिक कठोरता और प्रशासनिक असमंजस दिखा, उसने अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने दोनों को प्रभावित किया। ऐसे समय में स्पष्ट जनादेश को स्थिरता का अवसर माना जा सकता है, बशर्ते सत्ता इसे प्रतिशोध का माध्यम न बनाए, बल्कि पुनर्निर्माण का औजार बनाए। तारिक रहमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती सांप्रदायिक सौहार्द की पुनर्स्थापना होगी। बांग्लादेश का सामाजिक ढांचा बहुलतावादी है, वहां अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और सम्मान केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की कसौटी है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से दूरी बनाकर विचारसौमुखी एजेंडा अपनाती है, तो वह न केवल आंतरिक स्थिरता ला सकती है, बल्कि दक्षिण एशिया में एक सकारात्मक उदाहरण भी प्रस्तुत कर सकती है। पर यदि



चुनावी विजय को वैचारिक वर्चस्व के रूप में प्रस्तुत किया गया, तो यह जनादेश अवसर से अधिक संकट में बदल सकता है। आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश ने पिछले दशक में उल्लेखनीय प्रगति की थी। वस्त्र उद्योग, नियात वृद्धि और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उसने मिसाल कायम की। किंतु राजनीतिक अस्थिरता और नीतिगत अनिश्चितता ने निवेशकों के विश्वास को झटका दिया। अब नई सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह आर्थिक सुधारों को गति दे, रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करे और विदेशी निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाए। विकास की नई गंगा तभी बहेगी जब शासन पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी होगा। केवल नारे या राष्ट्रवाद की तीखी ध्वनियां आर्थिक संकट का समाधान नहीं बन सकतीं।

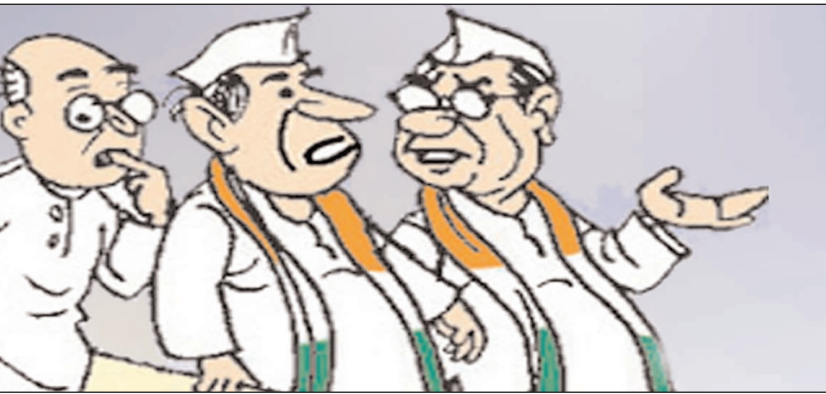
भारत-बांग्लादेश संबंध इस चुनाव के सबसे महत्वपूर्ण आयामों में से एक हैं। दोनों देशों के बीच साझा इतिहास, सांस्कृतिक निकटता और आर्थिक परस्परता है। सीमा प्रबंधन, जल बंटवारा, व्यापार और सुरक्षा सहयोग जैसे मुद्दे परस्पर विश्वास से ही सुलझ सकते हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान के साथ बढ़ती निकटता और भारत के प्रति संदेहपूर्ण बयानबाजी ने संबंधों में अनावश्यक तनाव पैदा किया। यदि नई सरकार क्षेत्रीय संतुलन की नीति अपनाते हुए भारत के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद पुनः स्थापित करती है, तो यह दोनों देशों के हित में होगा। भारत ने बांग्लादेश के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, उस ऐतिहासिक साझेदारी को भावनात्मक नहीं, स्वाभाविक आधार पर पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। यह भी ध्यान रखना होगा कि दक्षिण एशिया की राजनीति अब केवल द्विपक्षीय समीकरणों तक सीमित नहीं है।

लोक कथा

पोल खुल गई

एक बार किसी मौलवी को उसके मुरीद ने खाने पर बुलाया। मेजबान के घर पहुँचकर उसकी दहलीज को पार करने के दौरान मौलवी अचानक चिल्लाये लगा-ऐे हट, हट, हट। इस पर घबराये मेजबान ने सहमते हुए मौलवी से पूछा- जनाब, क्या हुआ। आप इस तरह क्यों चिल्ला रहे हैं। मौलवी गंभीरता से बोला- अरे नहीं-नहीं, कुछ नहीं। मैं मक्का के पाक काबा में घुसते दिखाई दे रहे एक कुत्ते को भगा रहा था। यह सुनकर मेजबान दंग रह गया। वह सोचने लगा कि मौलवी साहब किनसे रुहानी ताकत वाले हैं कि वे हजारों मील दूर मक्का तक साफ देख सकते हैं। लेकिन मेजबान की बीबी को यह बात हजम नहीं हुई। खाना परोसते समय उसने मौलवी की थाली में सिलान को चावलों के नीचे छिपा दिया। अगल-बगल में बैठे दूसरे लोगों की थाली में चावल और सिलान तथा अपनी थाली में सिर्फ चावल देखकर मौलवी इधर-उधर देखने लगे। बीबी बोली- जनाब, आपको कुछ चाहिए? मौलवी बोला- जी, शायद आप मुझे सिलान परोसाना भूल गई हैं। वह बोली- अरे, आप तो कोसों दूर मक्का तक देख सकते हैं, ध्यान से देखिए, सिलान आपकी थाली में ही चावलों के नीचे है इस तरह चतुराई से मेजबान की बीबी ने मौलवी की पोल खोल दी।

(मनीष शर्मा)



मुलाकात की तो बात भी होनी थी। सुना है उन्हें सहायक बुलाना पड़ा जो हमारे राजनेता की अंग्रेजी को अंग्रेजी में ट्रांसलेट कर उन्हें समझा सके। वैसे अमेरिका वाले जनाब अपने आप को ज्यादा अंग्रेज समझते हैं। बात तो वही है जो एकदम पल्ले पड़ जाए या कभी पल्ले न पड़ सके। बड़े लोगों की बातों वास्तव में कितनी बड़ी होनी हैं! कह नहीं सकते। कुछ समय पहले प्रसिद्ध वरिष्ठ अभिनेता रजनीकांत, सादे सफेद पारम्परिक कपड़ों में एक आध्यात्मिक यात्रा के दौरान अपने मित्रों के साथ सड़क किनारे पत्तल में खाते

दिखे। कोई नखरा, अंदाज ही दिखावा नहीं। क्या इस बात का अर्थ यह भी है कि आम आदमी चाहे थोड़ा सा ही सही, प्रसिद्ध होना चाहता है। उसके लिए काफी कुछ करता है। सुपर प्रसिद्ध होने के बाद ईसान, कभी कभी आम आदमी की तरह रहना चाहता है। ऐसे अवसर सृजन भी करता है लेकिन सभी ऐसा नहीं कर सकते। बड़े लोगों की बातों को समझना बड़ी बात है। आम आदमी तो यही कर सकता है कि स्वादिष्ट दाल और भात खाने जाए और सीमित शगुन में पूरे परिवार को असीमित खिला दे।

सीमित करेगा, या भाषा, संस्कृति और बहुलता की उस विरासत को आगे बढ़ाया जिसने उसे जन्म दिया? मुक्ति संग्राम की मूल भावना सामाजिक न्याय और समान अवसर की थी। यदि नई सत्ता उस भावना को पुनर्जीवित करती है, तो यह जनादेश ऐतिहासिक सिद्ध होगा। अन्यथा यह अवसर भी इतिहास की एक और चूकी हुई संभावना बन सकता है।

भारत की दृष्टि से भी यह चुनाव महत्वपूर्ण है। नई दिल्ली को प्रतिक्रिया में उतावलेपन नहीं, बल्कि धैर्य और कूटनीतिक परिपक्वता दिखानी होगी। पड़ोसी देश की संप्रभुता और जनादेश का सम्मान करते हुए सहयोग का हाथ बढ़ाना ही दीर्घकालिक हित में है। सीमा पर आतंकवाद, अवैध घुसपैठ और तस्करी जैसे मुद्दों पर सख्ती के साथ-साथ आर्थिक और सांस्कृतिक संवाद को भी सुदृढ़ करना होगा। संबंधों में भावनात्मकता के बजाय व्यावहारिकता और पारस्परिक सम्मान की नींव आवश्यक है।

अंततः यह चुनाव बांग्लादेश के लिए निर्णायक इसलिए है क्योंकि यह केवल सरकार बदलने का अवसर नहीं, बल्कि शासन की शैली और राष्ट्रीय दिशा तय



करने का क्षण है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से मुक्त, समावेशी और विकासोन्मुखी नीति अपनाती है, तो वह बांग्लादेश को स्थिरता और समृद्धि के पथ पर अग्रसर कर सकती है।

परंतु यदि वह अतीत की कटु स्मृतियों और वैचारिक आग्रहों में उसखी रही, तो जनादेश की सार्थकता संदिग्ध हो जाएगी। बांग्लादेश की अब नई संभावनाओं, नई सोच और नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ना है। यही इस चुनाव का संदेश है और यही उसकी वास्तविक परीक्षा है।

पंचतंत्र कहानी

साही और हिरन की कहानी

बहुत दिन पहले की बात है कि एक दिन एक साही और एक हिरन दोनों अपना अपना झूम यात्री खेत बनाने के लिये एक पेड़ की जड़ काट रहे थे। साही उस पेड़ की जड़ को बड़ी सँभाल कर धीरे धीरे अपने दौंतों से काट रहा था और हिरन उसको अपने अगले पैरों के नीचे के हिस्से से काट रहा था। फिर उन्होंने अपने अपने खेत जला कर तैयार कर लिये तो साही का खेत तो बहुत अच्छा जल गया क्योंकि उसने बड़ी मेहनत से अपना खेत काटा था पर हिरन का खेत उतना अच्छा नहीं जला क्योंकि वह बहुत आलसी और लापरवाह था। जब चावल बोने का समय आया तो हिरन ने साही के खेत में अपने चावल बो दिये। यह देख कर साही बोला – तुमने मेरे खेत में अपने चावल क्यों बो दिये? इस पर हिरन बोला – मैंने अपना बीज अपने खेत में बोया है तुम्हारा खेत में नहीं। तुम्हारा खेत टीका नहीं है। वे दोनों इसी बात पर काफी देर तक बहस करते रहे कि कौन सा खेत किसका है। अन्त में हिरन ने कहा इस प्रकार लड़ने से कोई फायदा नहीं है इससे अच्छा है कि कुश्ती लड़ते हैं और जो भी कुश्ती में जीतगा अच्छा वाला खेत उसी का होगा। साही यह सोच कर राजी हो गया कि यद्यपि वह साइज में छोटा था फिर भी वह जीत जायेगा और अच्छा वाला खेत उसे मिल ही जायेगा। सो दोनों की कुश्ती शुरू हुई और साही जीत गया। इस पर हिरन दुखी आवाज में बोला कि पहली कुश्ती में उसकी हथियाँ दर्द कर रही थी इसलिये वह पहली बार की कुश्ती टीक से नहीं लड़ पाया इसलिये अब वह दोबारा कुश्ती लड़ना चाहता है। साही राजी हो गया। हिरन ने अपनी हथी पर एक कपड़ा लपेट लिया और दोबारा कुश्ती लड़ा पर इस बार भी साही जीत गया। हिरन बोला कि दूसरी कुश्ती लड़ते समय क्योंकि उसकी गरदन में दर्द था इसलिये वह यह दूसरी कुश्ती हार गया था इसलिये अब तीसरी बार कुश्ती होंने चाहिये तब फैसला होगा। साही तीसरी बार के लिये भी तैयार हो गया पर इतनाफक से साही तीसरी बार भी जीत गया। यह देख कर हिरन को थोड़ा दुख तो हुआ पर वह अभी भी हार मानने के लिये तैयार नहीं था सो उसने एक और सलाह दी। वह बोला – ऐसा करते हैं कि अबकी बार हम अपने अपने दोस्तों को बुला लेते हैं और फिर लड़ाई लई और फिर जो जीते अच्छा वाला खेत उसका है। साही इस पर भी राजी हो गया। हिरन ने भी अपने बहुत सारे दोस्तों को बुला लिया पर साही का कोई दोस्त न था। इस प्रकार हिरन की तरफ तो बहुत सारे जानवर थे मगर साही की तरफ कोई भी नहीं था सो उसने किसी तरह मधुमक्खियों को अपनी तरफ कर लिया। उसने उन मधुमक्खियों को बीयर के कुछ बरतनों में बन्द कर दिया और उन बरतनों को एक अलमारी के ऊपर रख दिया। थोड़े दिने में हिरन का भेना एक बन्दर आया और उसने साही से पूछा कि क्या वह हिरन को उसका खेत देने के लिये तैयार है? साही ने हिरन को खेत देने से तो साफ इनकार कर दिया पर उसने बन्दर को एक प्याला बहुत बढ़िया शरब देने के लिये दिया। शब्द पी कर तो बन्दर बहुत ही खुश हुआ और उसने साही से वायदा किया कि वह उन दोनों के बीच सुलह और शान्ति करवाने की कोशिश करेगा। बन्दर शब्द पी कर वापस चला गया और हिरन को अपनी साही से मुलाकात की कहानी सुनायी। यह कहानी सुन कर हिरन ने तुरन्त ही अपना एक और दूत साही के पास इस संदेश के साथ भेजा कि वह आखिरी बार उससे पूछ रहा है कि साही अपना खेत छोड़ने के लिये तैयारी था कि नहीं? इस बार साही ने सारे जानवरों को अपने आपसे लड़ने की चुनौती दी पर उसने पहले ही साही को कि वह सारे जानवरों को अपने आपसे लड़ने से पहले अपने घर में बीयर12 पिलायेगा। सारे जानवर यह सुन कर बहुत खुश हुए और उसके घर में बीयर पीते आये तो उसने सबको अपने घर में अन्दर बुलाया और जब वे सब अन्दर आ गये तो उसने घर का दरवाजा बन्द कर दिया। फिर वह बन्दर से बोला – तुम सब पहले हिरन के दूत बना कर आये थे इसलिये सबसे पहले मैं बीयर प्लूई ही दूँगा। जाओ और जा कर बीयर का एक बरतन खोलो और उसमें अपना सिर डाल कर उसमें से बीयर की पहली खुशबू सूँघो कही ऐसा न हो कि वह निकल जाये। ऐसा कह कर वह बहुत अलमारी के ऊपर चढ़ गया। बन्दर ने खुशी खुशी बीयर का एक बरतन खोला और बीयर सूँघने के लिये उसमें अपना सिर डाला ही था कि उसमें से बहुत सारी मधुमक्खियाँ निकल पड़ी। उन्होंने उसके सारे शरीर पर काट लिया और वह तुरन्त ही मर गया। साही यह देख कर अपने उस छेद से घर के बाहर भाग गया जो उसने अपने घर की छत में पहले से ही बना रखा था। फिर वे मधुमक्खियाँ सारे कमरे में फैल गयीं और उन्होंने दूसरे जानवरों को भी काटना शुरू कर दिया। यह देख कर वे जानवर पालस से हो गये और ड़र उघर भागने लगे। पर क्योंकि साही के घर का दरवाजा बन्द था इसलिये कोई जानवर वहाँ से बाहर नहीं भाग पाया। इसउपर भागने के चक्कर में वे आलमारी से टकरा गये और अलमारी पर रख बीयर के दूसरे बरतन भी खुल गये। उनमें से भी बहुत सारी मधुमक्खियाँ निकल पड़ी और जानवरों को काटने लगीं। इस तरह उनमें से बहुत सारे जानवर बहुत जल्दी ही मर गये। जब साही ने देखा कि सारे जानवर मर गये सिवाय एक कछुए के तो वह घर के अन्दर आ गया और उसने उस कछुए की पीठ को जानवरों का माँस काटने के लिये मेज की तरह इस्तेमाल किया। माँस काटने के बाद वह उससे बोला – ओ कछुए, मैं तुमको अपना एक पुराना वाला कौटा दूँगा और फिर तुम अपने घर चले जाना। साही ने कछुए को अपना एक पुराना कौटा दिया, कछुए ने उसे अपने बालों में रख लिया और अपने घर चला गया। जब वह अपने घर जा रहा था तो एक चित्ते और एक भालू के घर के पास उसने एक पेड़ के खोखले तने से एक आवाज निकाली। उस आवाज को सुन कर चित्ते की पत्नी और भालू की पत्नी अपने अपने घरों से बाहर आ गयीं। चित्ते की पत्नी और भालू की पत्नी ने कछुए से पूछा – कछुए भाई, हमारे पति कहीं हैं? वे तुम्हारे साथ क्यों नहीं आये? कछुआ बोला – वे सब मर गये। यहाँ तक कि साही भी मर गया। मैं अकेला ही बचा हूँ। देखो, निशानी के तौर पर मैं साही का एक कौटा भी लाया हूँ। पर चित्ते और भालू दोनों की पत्नियों को उस पर विश्वास ही नहीं हुआ कि साही मर सकता है सो वे दोनों साही के पास दौड़ी गयीं। वहाँ जा कर उन्होंने साही से पूछा – क्या कछुए ने तुम्हें मार डाला? साही बड़ी जोर से हँसा और हँस कर बोला – अरे अगर मैं मर गया होता तो क्या तुम्हारे सामने ऐसे खड़ा होता? नहीं नहीं मैं मरा नहीं हूँ, देखो, मैं तो ज़िन्दग हूँ। तो फिर उदरके पास तुम्हारा कौटा क्यों से आया? साही बोला – वह कौटा तो मैंने उसे अपने आप ही दिया था न कि उसने मुझसे लिया था। उसको वह अपने बालों में लगा कर ले गया। और उसकी पीठ पर रख कर तो मैंने माँस काटा था। आता तुम लोग टीक से देखोगी तो तुम्हें उसकी पीठ पर मेरे माँस काटने के निशान भी दिखायी दे जायेंगे। चित्ते की पत्नी और भालू की पत्नी दोनों तुरन्त ही अपने घर वापस आयीं और उन्होंने कछुए की पीठ देखी तो सचमुच ही उस की पीठ पर जानवरों के माँस काटने के निशान थे। वे दोनों कछुए से बहुत नाराज हुईं और बोली – तुमने हम को मारा दिया है। और यह कह कर उसको पकड़ कर एक पेड़ में रख दिया इससे कछुए को थड़ा दई हुआ। वह बोला – प्लूई प्लूई बड़ा दर्द हो रहा है। पुनः मेरी पूँछ पर जोर से मारो और जब मेरा सिर बाहर आ जाये तो तुम मुझे खा जाना ताकि मैं मर जाऊँ। चित्ते की पत्नी और भालू की पत्नी ने ऐसा ही किया। इस तरह कछुआ तो मर गया पर आज तक कछुए की पीठ पर साही के माँस काट के निशान पाये जाते हैं।

डायट भोगांव में प्रशिक्षु को आपत्तिजनक मैसेज भेजा

छात्रा ने प्राचार्य से की शिकायत, माफी मांगने के बाद थमा मामला

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। मैनपुरी के भोगांव स्थित डायट में एक डीएलएड प्रशिक्षु छात्रा को संस्थान के एक प्रवक्ता द्वारा आपत्तिजनक मैसेज भेजने का मामला सामने आया है। यह घटना सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना हुई है।

छात्रा ने इस मामले को शिकायत डायट प्राचार्य मनमोहन शर्मा से की। प्राचार्य ने छात्रा को पुलिस में एफआईआर दर्ज कराने की सलाह दी थी, लेकिन छात्रा ने पुलिस कार्रवाई के बजाय संस्थान स्तर पर ही समाधान की इच्छा व्यक्त की। इसके बाद संबंधित प्रवक्ता को तत्काल तलब किया गया। प्राचार्य के सामने प्रवक्ता ने छात्रा से माफी मांगी और स्पष्टीकरण दिया कि वह संदेश अपनी पत्नी को भेज रहे थे, जो गलती से छात्रा के मोबाइल नंबर पर



चला गया। प्रवक्ता ने इसे एक तकनीकी भूल बताया। माफी के बाद छात्रा ने किसी प्रकार की लिखित शिकायत या कानूनी कार्रवाई से इनकार कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए, संस्थान प्रशासन ने संबंधित प्रवक्ता को तीन महीने पहले ही कक्षा शिक्षण कार्य से हटा दिया था। वह वर्तमान में शिक्षण कार्य नहीं कर रहे हैं।

प्राचार्य मनमोहन शर्मा ने बताया कि संस्थान में अनुशासन और छात्राओं की सुरक्षा सर्वोच्च

प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही छात्रा ने आगे कार्रवाई से मना कर दिया हो, भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्ती बरती जा रही है।

प्राचार्य मनमोहन शर्मा ने पुष्टि की कि शिकायत के बाद प्रवक्ता को कक्षा शिक्षण कार्य और परीक्षा संबंधी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया है। यह मामला सोशल मीडिया पर अभी भी चर्चा में है, हालांकि छात्रा की ओर से कोई नई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

शंकराचार्य परंपरा पर राजनीति गलत, यूपी बना ग्रोथ इंजन, जनता बदलावों को देख रही है: मंत्री जयवीर सिंह

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने शंकराचार्य को लेकर चल रहे विवाद पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति में चार शंकराचार्य चार अलग-अलग पीढ़ों से होते हैं और वही सर्वमान्य माने जाते हैं। मंत्री ने जोर देकर कहा कि ये परंपराएं सदियों पुरानी हैं, जो सनातन संस्कृति को ऊर्जा, संरक्षण और मजबूती प्रदान करती हैं। ऐसे विषयों पर अनावश्यक विवाद खड़ा करना उचित नहीं है।

योगी सरकार के बजट को लेकर अखिलेश यादव द्वारा उठाए गए सवालों पर मंत्री जयवीर सिंह ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम सवाल उठाना है, लेकिन प्रदेश की जनता पिछले नौ वर्षों में हुए बदलाव को देख रही है। मंत्री ने बताया कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश की छवि बीमार राज्य



और माफिया राज वाली थी। अब प्रदेश राजस्व, उद्योग, कानून व्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। बड़े औद्योगिक घरानों का निवेश बढ़ा है और उत्तर प्रदेश देश का ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है।

उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री के बजट भाषण और धन्यवाद प्रस्ताव में विस्तार से बताया गया कि प्रदेश 2017 से पहले किस स्थिति में था और आज

कहां खड़ा है। विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश देश में अग्रणी है, जो प्रदेशवासियों के लिए गर्व का विषय है। संसद में विपक्ष के रवैये पर टिप्पणी करते हुए जयवीर सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सरकार की नीतियों में कमीयां बताना और सुधार के सुझाव देना विपक्ष का दायित्व है। हालांकि, उन्होंने जोर दिया कि लगातार हंगामा करना, सदन की कार्यवाही बाधित करना और हो-हल्ला करना स्वस्थ

नहर से अज्ञात का शव मिला

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। मैनपुरी के कुरां थाना क्षेत्र में तखरऊ नहर से एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। शनिवार दोपहर ग्रामीणों ने एक्सप्रेसवे की ओर बिलंदा पुल के नीचे नहर में एक अर्धनग्न शव उतरता देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकालकर मोचंरी भिजवा दिया। शव के सिर पर चोट के निशान पाए गए हैं, हालांकि अभी तक उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है।



को मिला शव उसी अज्ञात व्यक्ति का होने की आशंका जताई जा रही है, जिसने नहर में छलांग लगाई थी। हालांकि, पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। शव मिलने के बावजूद मछुआरा राजू का अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। टीमें लगातार उसकी तलाश में जुटी हुई हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि नहर में मगरमच्छों की मौजूदगी है, जिससे तलाशी अभियान में बाधा आ रही है। शुक्रवार को पुलिस ने नहर का पानी भी कम कराया था, लेकिन पानी घटने के बाद राजू का कोई पता नहीं चला, बल्कि कई मगरमच्छ दिखाई देने लगे। इसके बाद वाइल्ड लाइफ एसओएस की टीम भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

बड़े नाम होने की वजह से निवेश किया:मैनपुरी से 30 करोड़ की हुई ठगी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। मैनपुरी के भोगांव क्षेत्र में निवेश के नाम पर करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी के मामले सामने आया है। न्यायालय के आदेश पर भोगांव थाना पुलिस ने सागा ग्रुप से जुड़े 12 लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करके कार्यवाही शुरू कर दी है। इनमें फिल्म अभिनेता श्रेयस तलपड़े का नाम भी शामिल है।

मामला वर्ष 2015 का है, जब सागा ग्रुप ने भोगांव कस्बे में एल्यूमीनीय बैंक के नाम से एक शाखा खोली थी। निवेशकों को अधिक व्याज दर और सुरक्षित रिटर्न का आश्वासन दिया गया। आकर्षक योजनाओं और बड़े नामों के प्रचार से प्रभावित होकर स्थानीय लोगों ने करोड़ों रुपये का निवेश किया। ठगी का शिकार हुए विकास तिवारी ने दावा किया कि कंपनी से जुड़े बड़े नामों के कारण लोगों में भरोसा पैदा हुआ। प्रचार के दौरान कई फिल्मी हस्तियों के नाम सामने आए, जिससे आम निवेशकों को लगा कि कंपनी



विश्वासनीय है। इसी विश्वास के आधार पर लोगों ने अपनी जमा पूंजी निवेश कर दी।

अरोप है कि कंपनी ने भोगांव में अपना सॉफ्टवेयर सिस्टम विकसित किया था। एटीएम संचालन के लिए पहले हिताची कंपनी और बाद में



और परिचालक किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहे वहां से गुजर रहे ऑटो चालक रघुपति ने बताया कि एंबुलेंस उनके पीछे चल रही थी। अचानक अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी, जिससे एंबुलेंस पहले डिवाइडर से टकराई और फिर सड़क पर पलट गई। टक्कर इतनी तेज थी कि आसपास के लोग तुरंत

समझ नहीं पाए। एंबुलेंस का शीशा पूरी तरह टूटकर सड़क पर बिखर गया था। स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर पायलट और उसके साथी को बाहर निकाला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस फरार अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है।

मैनपुरी जंक्शन से नहीं गुजरेंगी होली की स्पेशल ट्रेनें

देश भर में 1410 ट्रेनों की बहार, जिले को सिर्फ इंतजार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। भारतीय रेलवे इस बार होली के अवसर पर देशभर में 1410 स्पेशल ट्रेनों का संचालन करेगा। हालांकि, मैनपुरी



जंक्शन को एक बार फिर इन विशेष ट्रेनों की सूची से बाहर रखा गया है, जिससे स्थानीय यात्रियों को निराशा हुई है।

लगातार दूसरे वर्ष भी कोई होली स्पेशल ट्रेन मैनपुरी जंक्शन से होकर नहीं गुजरेगी। इसके चलते मैनपुरी के स्टेशनों को त्योहार के दौरान ट्रेन पकड़ने के लिए इटला, टूंडला और शिकोहाबाद जैसे पड़ोसी जिलों के स्टेशनों पर निर्भर रहना पड़ेगा। इससे उन्हें अतिरिक्त समय और धन खर्च करना होगा। मैनपुरी जंक्शन पर वर्तमान में प्रतिदिन केवल एक एक्सप्रेस और तीन पैसेंजर ट्रेनें रुकती हैं। इसके अतिरिक्त, कानपुर-आनंद विहार साप्ताहिक ट्रेन का

संचालन केवल रविवार को होता है। ट्रेनों की यह सीमित उपलब्धता सामान्य दिनों में भी यात्रियों के लिए सीट मिलना मुश्किल कर देती है, और त्योहारों के समय भीड़ और बढ़ जाती है।

स्थानीय यात्रियों ने इस निर्णय पर नाराजगी व्यक्त की है। उनका कहना है कि जब आसपास के जिलों को होली स्पेशल ट्रेनों का लाभ मिल रहा है, तो मैनपुरी को नजरअंदाज करना अनुचित है। यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि कम से कम कुछ विशेष ट्रेनों का मार्ग मैनपुरी जंक्शन से होकर निर्धारित किया जाए, ताकि हजारों यात्रियों को सुविधा मिल सके।

डीएम की चेतावनी रैंकिंग गिरी तो होगी कार्रवाई

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड समीक्षा में अधिकारियों को प्रदर्शन सुधारने के निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री के प्राथमिकता वाले विकास कार्यक्रमों और मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनपद की योजनाओं को 'ए' श्रेणी में बनाए रखना सभी विभागों की जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी ने सिस्ट सफाई और टेल फीडिंग में 'ए' कैटेगरी के प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया, लेकिन कई योजनाओं की गिरती रैंकिंग पर नाराजगी जताई।

समीक्षा के दौरान पं. दीनदयाल उपाध्याय सोलर स्ट्रीट लाइट योजना, पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, दशमोत्तर छात्रवृत्ति, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मनरेगा, मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन फेज-02, ऑपरेशन कायाकल्प, पीएम पोषण, दिव्यांग व वृद्धावस्था पेंशन, कन्या सुमंगला, युवा स्वरोजगार, मत्स्य व दुग्ध योजनाओं सहित दर्जनों योजनाओं की प्रगति पर चर्चा हुई। आईसीडीएस पोषण अभियान, ओडीओपी टूलकिट और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना 'डी' श्रेणी में पाई गई। वहीं, कई छात्रवृत्ति योजनाएं, 15वां वित्त आयोग, जल जीवन मिशन, फैमिली आईडी और अन्य योजनाएं 'सी' व 'बी' श्रेणी में मिलीं। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल रैंक सुधारने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिन



विद्यालयों की लापरवाही के कारण छात्रवृत्ति आवेदन समय पर अग्रसारित नहीं हुए हैं, उन्हें चिन्हित कर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) नेहा वंशु ने बताया कि सीएमआईएस पोर्टल पर 10 में से 8 अंक मिलने के कारण योजना 'बी' श्रेणी में है। उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ परियोजनाओं में देरी के कारण डैशबोर्ड रैंक प्रभावित हुई है। यूपीपीसीएल, आवास विकास परिषद, यूपी

आरएनएसएस, यूपी सिडको और सीएनडीएस की कई परियोजनाएं निर्धारित समय से विलंबित हैं। सीडीओ ने कार्यवाही संस्थाओं को परियोजनाओं में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि मानकों की अनदेखी करने पर जवाबदेही तय की जाएगी और प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में स्वास्थ्य, समाज कल्याण, शिक्षा, पंचायत, निर्माण और अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस लाइन में 22 फरवरी को मेगा सहायता शिविर, एक दिन, एक मंच, सीधे हाथों-हाथ मिलेगा योजनाओं का फायदा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण 22 फरवरी 2026 को पुलिस लाइन परिसर में एक वृहद मेगा सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन करेगा। प्राधिकरण की सचिव प्रीती गिरी ने बताया कि यह शिविर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों और जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष रूपेश रंजन के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है।

मुख्य उद्देश्य पात्र लाभार्थियों को एक ही मंच पर विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना है। इसमें उन लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी जो किसी कारणवश अब तक योजनाओं से वंचित हैं या जिनके आवेदन लंबित हैं। शिविर में विभिन्न सरकारी विभाग अपने



स्टॉल लगाएंगे, जहां आमजन को योजनाओं की विस्तृत जानकारी मिलेगी। पात्र लाभार्थियों का मौके

पर ही पंजीकरण किया जाएगा और आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर उन्हें तुरंत लाभ प्रदान किया जाएगा। यह

शिविर विशेष रूप से बच्चों, महिलाओं, गर्भवती माताओं, बुजुर्ग, दिव्यांगजनों और श्रमिक वर्ग सहित वंचित वर्गों को ध्यान में रखकर आयोजित किया जा रहा है। ऐसे सभी नागरिक, जिन्हें किसी भी सरकारी योजना का लाभ प्राप्त करने में कठिनाई आ रही है, वे 22 फरवरी को पुलिस लाइन पहुंचकर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक विशेष स्वास्थ्य शिविर भी लगाया जाएगा। इसमें सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण की नि:शुल्क सुविधा उपलब्ध होगी। गर्भवती महिलाओं, वंचित नागरिकों और बच्चों को जांच पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि रोगों की प्रारंभिक पहचान हो सके।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एक विधिक सहायता स्टॉल भी स्थापित करेगा। यहां नागरिकों को न्यायालयी प्रकरणों, पारिवारिक

विवादों, भूमि संबंधी मामलों, महिला उत्पीड़न, श्रमिक अधिकारों, मोटर दुर्घटना दावों, भरण-पोषण और पेंशन संबंधी विषयों पर नि:शुल्क कानूनी परामर्श मिलेगा। पात्र व्यक्तियों को नि:शुल्क विधिक सहायता योजना से भी जोड़ा जाएगा। इस शिविर के लिए एडीजे प्रथम अक्षय लाल सरोज को इसका अध्यक्ष नामित किया गया है, जबकि राष्ट्रीय लोक अदालत के नोडल अधिकारी सतेन्द्र नाथ त्रिपाठी और अपर जिला जज जितेंद्र मिश्रा इसके सदस्य हैं।

शिविर के लिए प्री-पंजीकरण प्रक्रिया जारी है, जिसमें प्रेसलीगल वॉलंटियर्स विभिन्न क्षेत्रों में लोगों का पंजीकरण कर रहे हैं। प्रशासन ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस शिविर का लाभ उठाएं।

पुलवामा शहीदों को भोगांव में दी श्रद्धांजलि

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। मैनपुरी के भोगांव में पुलवामा शहीद दिवस के अवसर पर नगर व्यापार मंडल के तत्वावधान में देश के वीर बलिदानियों को नमन किया गया। स्थानीय शहीद स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम में व्यापारियों और नगर के नागरिकों ने वीर जवानों की शहादत को याद किया। नगर व्यापार मंडल के अध्यक्ष नितिन उमेश वर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस श्रद्धांजलि सभा में सभी ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित किए और मोमबतियां जलाईं। इस दौरान देशभक्ति के नारे भी लगाए गए। इस अवसर पर व्यापार मंडल के अध्यक्ष नितिन उमेश वर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा के लिए प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा, "शहीदों की चिताओं पर



लगेगें हर बरस मेले, वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशां होगा।" वक्ताओं ने देश की सेवा में समर्पित जवानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से पूर्व चेयरमैन बदरुननिशा बेगम, सुरेन्द्र शंखवार, महामंत्री सतेन्द्र

शाक्य, राकेश दीक्षित, श्यामलाल गिहार, शिवम कश्यप, आशु सक्सेना, सागर वर्मा, स्वतन्त्र वर्मा और सुमित वर्मा सहित बड़ी संख्या में व्यापारी और नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन और व्यवस्था व्यापार मंडल की टीम द्वारा की गई।

थाना नारखी की बड़ी कार्रवाई: मारपीट, अवैध तमंचा और नाजायज शराब के आरोपी गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फिरोजाबाद। थाना नारखी पुलिस ने जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग मामलों में कुल नौ अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। इन मामलों में गंभीर मारपीट, अवैध शस्त्र और नाजायज शराब की घटनाएं शामिल हैं।

पुलिस ने सभी मामलों में आरोपियों के कब्जे से सामान बरामद किया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। सबसे पहले थाना नारखी पुलिस टीम ने मजरुब बनवारी लाल, उम्र लगभग 60 वर्ष, के साथ मारपीट कर दांत और अंग-भंग करने वाले चार नामजद वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों में मानपाल सिंह, सुरेन्द्र कुमार उर्फ मुन्नालाल, सन्दीप और शांति स्वरूप शामिल हैं। सभी आरोपी खुशहालपुर थाना नारखी के निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन में तथा क्षेत्राधिकारी टुण्डला के नेतृत्व में की गई। इसी अभियान के तहत थाना नारखी पुलिस ने अवैध शस्त्र



के साथ एक आरोपी सुखवीर पुत्र जान सिंह को गिरफ्तार किया। अभियुक्त के कब्जे से एक अदद अवैध तमंचा 315 बोर और एक जिन्दा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त के खिलाफ विधिक कार्रवाई जारी है और मामले की गहन जांच की जा रही है।

अभियान के तीसरे हिस्से में, अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गौरीशंकर पुत्र

अशरफीलाल, उम्र 35 वर्ष, को बछ्माँव चौराहा से नारखी की तरफ जाते समय गिरफ्तार किया। अभियुक्त के कब्जे से 22 क्वार्टर देशी नाजायज शराब बरामद हुई। दोनों मामलों में अभियुक्तों को हिरासत में लेकर कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध शस्त्र और शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और देशियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता और कार्रवाई की सराहना की है। पुलिस ने जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत अधिकारियों को दें ताकि अपराध पर नियंत्रण रखा जा सके।

थाना नारखी पुलिस का कहना है कि भविष्य में भी ऐसे मामलों पर नजर रखी जाएगी और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस कार्रवाई से यह संदेश गया है कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है और अपराधियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया जाएगा।



मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। महानगर पक्की सराय स्थित प्राचीन शिव मंदिर में मेहंदी संग हल्दी की रस्म हुई संपन्न महाशिवरात्रि की तैयारियां अंतिम दौर में हैं। 14 फरवरी बाबा भोलैनाथ व माता पार्वती की हल्दी, मेहंदी की रस्म हुई संपन्न यह कार्यक्रम शाम तीन बजे शुरू हुआ। मंदिर परिसर को झालरों और फूलों से सजाया गया है। पूरे परिसर में उत्सव का माहौल है। व्यवस्था प्रभारी अन्ना वाण्णय ने बताया शनिवार से आयोजन शुरू हुआ। शाम तीन बजे से हल्दी, मेहंदी का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ भीड़ को देखते हुए बैरिकेडिंग की गई है। इसी रास्ते से जाकर आम लोग हल्दी, मेहंदी की रस्म में शामिल हुए रात्रि सात बजे बाबा की आरती के बाद प्रसाद का वितरण किया गया व्यवस्था प्रभारी अन्ना वाण्णय ने बताया कि महाशिवरात्रि पर सुबह से ही जलाभिषेक और बाबा के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ उम्र पड़ी सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए गए रविवार को सामूहिक रुद्राभिषेक भी कराया जाएगा। 15 फरवरी को सुबह 11:00 बजे से बाबा की विशाल बरात पक्की सराय शिव मंदिर से प्रारंभ होगी और क्षेत्र की गलियों में भ्रमण से निकलेगी। यह बरात रात 1.30 बजे बाबा के दरबार पहुंचेगी। बरात वापस पहुंचने पर प्रसाद का आयोजन किया जाएगा 16 फरवरी दिन सोमवार को दोपहर 3:00 बजे बाबा भोलैनाथ और पार्वती का विवाह होमा। शाम 7:00 बजे विशाल नगर भोज व भंडारा आयोजित है, जिसमें प्रसाद ग्रहण करने के लिए भक्त जुटेंगे।

पुलवामा शहीदों की स्मृति में सरस्वती शिशु मंदिर में श्रद्धांजलि सभा, ब्लैक डे मनाया गया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर (इटावा)। सरस्वती शिशु मंदिर, बिलैया मठ में पुलवामा हमले में शहीद हुए वीर जवानों की श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ब्लैक डे मनाया गया। विद्यालय परिवार ने शहीदों के बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्रधानाचार्य अमित यादव के संयोजन में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी प्रेम कुमार शाक्य ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि ब्लैक डे केवल शोक व्यक्त करने का दिन नहीं, बल्कि देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सपूतों से प्रेरणा लेने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि पुलवामा में शहीद हुए जवानों का त्याग देश को नहीं भूल सकता और उनके बलिदान से ही राष्ट्र सुरक्षित है। इस दौरान उन्होंने चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना एवं संयुक्तसंरिषिप योजना की जानकारी देते हुए जरूरतमंद बच्चों की सहायता के लिए समाज को जागरूक होने का आह्वाण किया।

मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचार प्रमुख वैभव भदौरिया ने शहीदों को नमन करते हुए



कहा कि उनका बलिदान राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और सेवा भावना का संदेश देता है। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा पशु-पक्षियों की देखभाल के महत्व के बारे में बताया और जीवन में शिक्षा, संस्कार तथा बड़ों के सम्मान को सच्ची राष्ट्र सेवा का आधार बताया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने भी पुलवामा के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राष्ट्र सेवा एवं देशहित में कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तुषार ने की। इस अवसर पर स्वयंसेवक मोहित, विशाल, अवतार सहित विद्यालय स्टाफ से रिकी, अनुज एवं स्नेहलता सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सस्पेंड इंस्पेक्टर अनुज की गुमशुदी पर मां का आरोप, हत्या कर शव रेलवे ट्रैक पर फेंका

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। सस्पेंड इंस्पेक्टर अनुज कुमार की मां सुशीला ने अपने बेटे की मौत को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। सुशीला का कहना है कि उनका बेटा पुलिस लाइन अलीगढ़ में तैनात था और पिछले कुछ समय से सस्पेंड चल रहा था। परिवार को उसके सस्पेंशन और गायब होने की जानकारी समय पर नहीं दी गई।

सुशीला के अनुसार, उन्हें बेटे के सस्पेंड होने की जानकारी गांव में आए एक पत्र से मिली, जिसके बाद वो गाजियाबाद से अलीगढ़ पहुंचीं। उन्होंने पुलिस लाइन, जीडी ऑफिस, एसएसपी कार्यालय और एसएसपी आवास पर जाकर बेटे के बारे में जानकारी लेने की कोशिश की, लेकिन उन्हें कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। उनका आरोप है कि अधिकारियों ने उन्हें इशर-उधर भटकाना और बेटे के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं दिया। उन्होंने बताया कि जब वो बेटे के किराए के मकान पर पहुंचीं तो वहां सामान बिखरा पड़ा था और तोड़फोड़ के निशान थे।

कपड़ों पर खून के धब्बे होने का भी दावा किया गया है। इसके बाद परिवार ने महूआ खेड़ा थाना क्षेत्र और धनीपुर चौकी सहित कई जगहों पर जानकारी लेने का प्रयास किया, लेकिन कोई ठोस सूचना नहीं मिली। सुशीला का कहना है कि करीब डेढ़ महीने बाद



उन्हें बताया गया कि उनके बेटे का शव रेलवे ट्रैक पर मिला था। उनका आरोप है कि परिवार को न तो शव की शिनाख्त के लिए बुलाया गया और न ही उन्हें कोई आधिकारिक जानकारी दी गई। इंस्पेक्टर अनुज की मां ने पूर्व एसएसपी संजीव सुमन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनके बेटे को पुलिसकर्मियों द्वारा घर से उठाया गया, रास्ते में मारपीट की गई और बाद में उसकी हत्या कर शव रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया गया। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की है। फिलहाल पुलिस प्रशासन की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

प्रशिक्षण पूर्ण कर गांव लौटीं अग्निवीर तृप्ति शाक्य का सम्मान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर। भारतीय वायुसेना में अग्निवीर के रूप में चयनित होकर प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद अपने गांव अधियापुर लौटीं तृप्ति शाक्य का युवा शाक्य संगठन द्वारा सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विवेक शाक्य के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में तृप्ति शाक्य को सम्मानित कर उनके संघर्ष, परिश्रम और सफलता की सराहना की गई।

इस अवसर पर तृप्ति शाक्य ने क्षेत्र की बेटियों को संबोधित करते हुए कहा कि ईमानदारी, मेहनत और लगन के साथ शिक्षा पूरी कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने भावुक होकर कहा कि स्वर्गीय मां के साये के बिना भी पिता राजकुमार शाक्य, भाई एवं सहायोग और विश्वास ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया। कार्यक्रम के दौरान युवा शाक्य संगठन की ओर से तृप्ति शाक्य को सम्मान स्वरूप शिक्षा की देवी सावित्रीबाई फुले का चित्र भेंट किया गया, जबकि उनके पिता राजकुमार शाक्य को सम्मान के रूप में भगवान बुद्ध की प्रतिमा प्रदान की गई। समाजसेवी प्रेम कुमार शाक्य ने कहा कि तृप्ति जैसी बेटियां समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं और शिक्षा ही सामाजिक परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने इसे क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है हुए कहा कि इससे बेटियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर हरेंद्र शाक्य, बलवीर शाक्य, कृष्णकांत शाक्य, चंदन शाक्य, आशीष मौर्य, हर्देश शाक्य, अमित शाक्य, अनूप शाक्य, अवनीश शाक्य, शिवम शाक्य सहित संगठन के कई सदस्य मौजूद रहे।

इस मुकाम तक पहुंचाया। कार्यक्रम के दौरान युवा शाक्य संगठन की ओर से तृप्ति शाक्य को सम्मान स्वरूप शिक्षा की देवी सावित्रीबाई फुले का चित्र भेंट किया गया, जबकि उनके पिता राजकुमार शाक्य को सम्मान के रूप में भगवान बुद्ध की प्रतिमा प्रदान की गई। समाजसेवी प्रेम कुमार शाक्य ने कहा कि तृप्ति जैसी बेटियां समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं और शिक्षा ही सामाजिक परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने इसे क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है हुए कहा कि इससे बेटियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर हरेंद्र शाक्य, बलवीर शाक्य, कृष्णकांत शाक्य, चंदन शाक्य, आशीष मौर्य, हर्देश शाक्य, अमित शाक्य, अनूप शाक्य, अवनीश शाक्य, शिवम शाक्य सहित संगठन के कई सदस्य मौजूद रहे।

राष्ट्रीय कृमि मुक्त दिवस पर आंगनबाड़ी केंद्र में लटका मिला ताला

मोर्निंग सिटी संवाददाता

राजपुर (कानपुर देहात)। राष्ट्रीय कृमि मुक्त दिवस अभियान के दौरान मंगलवार को रमऊ स्थित एक आंगनबाड़ी केंद्र पर लापरवाही सामने आई। निरीक्षण के दौरान डिप्टी सीएमओ डॉ. आदित्य सचान को लॉनिंग लेब आंगनबाड़ी केंद्र में ताला लटका मिला, जिससे अभियान की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हो गए।

जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय कृमि मुक्त दिवस के तहत एक से 19 वर्ष तक के बच्चों को एल्बेंडाजॉल की गोली खिलाई जानी थी। इसी क्रम में डिप्टी सीएमओ दोपहर करीब 12:30 बजे निरीक्षण के लिए रमऊ पहुंचे, जहां आंगनबाड़ी केंद्र बंद मिला। इस पर उन्होंने प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों से केंद्र बंद होने के संबंध में जानकारी ली। बताया गया कि सुबह आंगनबाड़ी सहायिका केंद्र पर आई थी, लेकिन बाद में ताला बंद कर चली गई। राजपुर ब्लॉक की सीडीपीओ आशा पाण्डेय ने बताया कि केंद्र पर सहायिका कुष्मा तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ती मीना और सुमन की तैनाती है। सुमन की बीएलओ ड्यूटी होने के कारण वह सुबह बच्चों को दवा खिलाने के बाद ड्यूटी पर चली गई थी, जबकि मीना परिवार में शोक होने के कारण अवकाश पर थीं। स्वास्थ्य विभाग ने मामले को संज्ञान में लेते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

राष्ट्रीय कृमि मुक्त दिवस पर बच्चों को खिलाई गई एल्बेंडाजॉल की दवा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

राजपुर (कानपुर देहात)। स्वास्थ्य विभाग की ओर से मंगलवार को राजपुर ब्लॉक क्षेत्र में राष्ट्रीय कृमि मुक्त दिवस मनाया गया। इस दौरान स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों एवं प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं को कृमिनाशक दवा एल्बेंडाजॉल खिलाई गई तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।

डिप्टी सीएमओ डॉ. आदित्य सचान ने स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ विभिन्न स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण कर अभियान की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने केंद्रों पर बच्चों को दवा खिलाकर राष्ट्रीय कृमि मुक्त दिवस के उद्देश्य की जानकारी दी। राजपुर ब्लॉक के रमऊ प्राथमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. आदित्य सचान ने बच्चों को एल्बेंडाजॉल की गोली खिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। विद्यालय में पंजीकृत 73 बच्चों के सापेक्ष 55 बच्चों को दवा दी गई। इस दौरान उन्होंने बच्चों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को कृमिनाशक दवा के महत्व के बारे में बताते हुए एवं आशा कार्यकर्ता रंजिया उपस्थित रही। इसके बाद राजपुर के प्राथमिक विद्यालय प्रथम से जुड़े तीन आंगनबाड़ी केंद्रों पर भी बच्चों को एल्बेंडाजॉल की गोली खिलाई गई तथा शिक्षकों



के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में डीसी प्रेम सिंह, बीसीपीएम आकाश कुमार, इंचार्ज प्रधानाध्यापक अनुल कुमार, शिक्षा मित्र शाहीन बानो, सीएचओ कंचन देवी, एएनएम मंजू देवी एवं आशा कार्यकर्ता रंजिया उपस्थित रही। इसके बाद राजपुर के प्राथमिक विद्यालय प्रथम से जुड़े तीन आंगनबाड़ी केंद्रों पर भी बच्चों को एल्बेंडाजॉल की गोली खिलाई गई तथा शिक्षकों

और अधिभावकों को अभियान के प्रति जागरूक किया गया। यहां शिक्षक जहौर अहमद अंसारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हूर बानो व सरस्वती मौजूद रहीं। उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आदित्य सचान ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान के तहत एक से 19 वर्ष तक के सभी बच्चों एवं किशो-किशोरियों को स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों पर

नि:शुल्क दवा दी जा रही है। उन्होंने बताया कि जो बच्चे निर्धारित दिवस पर दवा लेने से वंचित रह गए हैं, उन्हें 13 फरवरी को माँप-अप दिवस पर दवा खिलाई जाएगी। अधिभावकों से अपील की गई कि वे अपने बच्चों को कृमिनाशक दवा अवश्य दिलवाएं और इसके लिए निःकटतम आशा, एएनएम या आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से संपर्क करें।

वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम में ग्रामीणों को बैंकिंग योजनाओं की दी जानकारी, मोबाइल एटीएम वैन का संचालन शुरू

मोर्निंग सिटी संवाददाता

इटावा। ब्लॉक चकरनगर के ग्राम पथरा में वित्तीय साक्षरता सप्ताह के अंतर्गत वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता कर बैंकिंग सेवाओं एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना तथा लोगों को आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ना रहा।

इस अवसर पर राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के अनुदान सहयोग से इटावा जिला सहकारी बैंक द्वारा संचालित मोबाइल एटीएम वैन को ग्रामीणों की सेवा में शुरू किया गया। इस वैन के माध्यम से दूरस्थ गांवों में नगद निकासी, बैंलेंस जांच एवं अन्य बुनियादी बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों तक बैंकिंग सेवाओं की पहुंच



बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। कार्यक्रम में जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड अरुण कुमार, लीड जिला प्रबंधक मयूर ठेंले, सेंट्रल बैंक के पूर्व मुख्य प्रबंधक जे.के. कनौजिया सहित स्थानीय बैंक प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अपने संबोधन में अरुण कुमार (डीडीएम,

नाबार्ड) ने कहा कि नाबार्ड का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है। उन्होंने प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना की जानकारी देते हुए ग्रामीणों को नियमित बचत एवं बीमा सुरक्षा

पीले वस्त्र धारण कर महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा, भागवत कथा का शुभारंभ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

राजपुर (कानपुर देहात), 9 फरवरी। ब्लॉक राजपुर के रमऊ गांव में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ मुख्य अतिथि दिनेश मिश्रा ने आयोजकों के साथ फीता काटकर किया। कार्यक्रम के अवसर पर महिलाओं ने पीले वस्त्र धारण कर भव्य कलश यात्रा निकाली, जिससे पूरे गांव में धार्मिक माहौल बना रहा।

कलश यात्रा गांव के प्रमुख मार्गों एवं मंदिरों से होकर पुनः कथा स्थल पर पहुंचकर सम्पन्न हुई। कथा वाचक पंडित ज्ञान शास्त्री ने कलश यात्रा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदू धर्म में कलश का विशेष स्थान है और कलयुग में श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण मनुष्य के पापों के नाश तथा मोक्ष प्राप्ति का श्रेष्ठ माध्यम माना गया है। मुख्य अतिथि एवं राष्ट्रीय पंचायतीराज प्रधान संगठन के प्रदेश महासचिव दिनेश मिश्रा ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन और श्रवण से व्यक्ति के जीवन के कष्ट दूर होते हैं तथा आध्यात्मिक शांति की प्राप्ति होती है। उन्होंने कथा को कल्पवृक्ष के समान बताया हुए कहा कि इसके



श्रवण से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कार्यक्रम में सुनील कुमार, दीपक श्रीवास्तव, रामकेश गौतम,

बुजेश कुमार, लालजी प्रजापति, अमित कटियार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बाल कांवड़ सेवा यात्रा आज निकलेगी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर रविवार, 15 फरवरी को दोपहर 1:00 बजे से भगवान भोले बाबा की कृपा से बाल कांवड़ सेवा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यात्रा का शुभारंभ सोमनाथ महादेव मंदिर से होकर नगर के प्रमुख बाजार मार्गों से गुज़रेगी। इस आयोजन में 21 नन्हें शिवभक्त कांवड़ लेकर जलाभिषेक करेंगे और नगरवासियों को भक्ति, संस्कार एवं सनातन संस्कृति का संदेश देंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में धार्मिक व सांस्कृतिक मूल्यों का विकास करना तथा समाज में श्रद्धा और सद्भाव को बढ़ावा देना है। यात्रा के दौरान सुरक्षा, प्राथमिक उपचार और जलपान की विशेष व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं से अधिक संख्या में उपस्थित होकर बच्चों का उत्साहवर्धन करने की अपील की गई है। अंत में भोलेनाथ से नगरवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की मंगलकामना की जाएगी।

महाशिवरात्रि पर स्वास्थ्य सेवाओं का औचक निरीक्षण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। महाशिवरात्रि पर्व के दृष्टिगत श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजीव रॉय ने 13 फरवरी की रात्रि में स्वास्थ्य शिविर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शिविर में तैनात समस्त स्टाफ उपस्थित मिला तथा आवश्यक दवाइयां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध पाई गईं। निरीक्षण के समय स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिए गए कि पर्व के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूर्ण तत्परता बनाए रखें। कांवड़ यात्रियों और श्रद्धालुओं की अधिक संख्या को देखते हुए विशेष सतर्कता बरतने पर जोर दिया गया। मरीजों को दी जा रही सुविधाओं, दवाओं की उपलब्धता तथा एंबुलेंस व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए महाशिवरात्रि तक स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी मुस्तैदी के साथ संचालित करने के निर्देश दिए गए।

आगरा मेट्रो निर्माण के दौरान बड़ा हादसा : 25 फीट ऊंचाई से घर पर गिरी पाइलिंग रिग, शराब की दुकान चकनाचूर



मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। ताजनगरी में चल रहे (यूपीएमआरसी) के मेट्रो निर्माण कार्य के दौरान शुक्रवार देर रात एक बड़ा हादसा हो गया। प्रतापपुरा क्षेत्र में एलिवेटेड ट्रैक निर्माण के लिए संचालित की जा रही करीब 25 फीट ऊंची पाइलिंग रिग अचानक अर्सलुजित होकर करुणा नगर स्थित एक मकान की छत पर जा गिरी। हादसे में जानमाल का नुकसान तो टल गया, लेकिन मकान के बाहर संचालित शराब की दुकान पूरी तरह चकनाचूर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, देर रात पिलर की नींव की खुदाई का कार्य चल रहा था। तभी पाइलिंग रिग का एक पहिया अचानक जमीन में धंस गया, जिससे उसका संतुलन बिगड़ गया और मशीन एक ओर झुकते हुए मकान के बाहरी हिस्से पर जा गिरी। जोरदार धमाके की आवाज से पूरा इलाका दहल उठा। आसपास के मकानों में कंपन महसूस हुआ और लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। जिस मकान पर मशीन गिरी, उसका परिवार उस समय घर के पिछले हिस्से में सो रहा था। सौभाग्य से जिस स्थान पर रिग गिरी, वहां कोई मौजूद नहीं था। नीचे स्थित शराब की दुकान भी रात के समय बंद थी, जिससे बड़ा नजहानि टल गई। हालांकि मशीन का अगला लगभग 25 फीट लंबा हिस्सा सीधे दुकान की छत और ढांचे पर गिरा, जिससे दुकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पास ही रखी पानी की टंकी भी टूट गई। मकान स्वामी करुणा नगर निवासी महिला ने बताया कि तेज धमाके से पूरा घर कांप उठा। वह घबराकर बाहर आई तो देखा कि छत पर भारी मशीन पड़ी है और सामने की दुकान मलबे में तब्दील हो चुकी है। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही मेट्रो परियोजना से जुड़े अधिकारी और तकनीकी टीम मौके पर पहुंच गई। एहतियातन प्रतापपुरा बाजार को शनिवार सुबह नहीं खुलने दिया गया। क्षेत्र की दुकानों को अस्थायी रूप से बंद करवाया गया और यातायात को डायवर्ट कर दिया गया। सुबह से ही क्षतिग्रस्त मशीन को हटाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। यूपीएमआरसी के परियोजना निदेशक अरविंद राय ने बताया कि पाइलिंग रिग का एक पहिया जमीन में धंसने से संतुलन बिगड़ा और मशीन एक तरफ झुक गई। तकनीकी जांच कराई जा रही है ताकि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने आश्वस्त किया कि सुरक्षा मानकों की समीक्षा की जाएगी। पहले भी हो चुके हैं हादसे - आगरा मेट्रो निर्माण के दौरान इससे पहले भी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। पहले कोरिडोर के अंडराउंड निर्माण के समय मोती कटरा क्षेत्र में खुदाई के कारण कई मकानों में दरारें पड़ गई थीं और कुछ मकान गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हुए थे। वहीं खंदरी चौराहा पर एलिवेटेड ट्रैक निर्माण के दौरान एक कार के ऊपर स्लीपर गिर गया था, जिसमें चालक बाल-बाल बचा था। लगातार सामने आ रही घटनाओं ने निर्माण कार्य की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय व्यापारियों और निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि निर्माण स्थलों के आसपास अतिरिक्त सुरक्षा इंतजाम किए जाएं और प्रभावित लोगों को शीघ्र मुआवजा दिया जाए। फिलहाल गंभीत यह रही कि हादसा देर रात हुआ और किसी की जान नहीं गई, लेकिन यह घटना शहर में चल रहे बड़े निर्माण कार्यों के दौरान सुरक्षा मानकों की सख्त निगरानी की जरूरत को एक बार फिर उजागर कर गई है।

चाचा ढाबा पर रंगबाजी में गोलियां, पैर में गोली लगने के बाद भी संचालक ने दबोचा आरोपी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। थाना शाहगंज क्षेत्र के अर्जुन नगर तिराहे के पास स्थित चाचा ढाबा पर शुक्रवार देर रात रंगबाजी को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट और फायरिंग हो गई। घटना में ढाबा संचालक जख्मर उसमानी के पैर में गोली लग गई। हैरानी की बात यह रही कि घायल होने के बावजूद उन्होंने हिम्मत दिखाते हुए फायरिंग करने वाले युवक को पकड़ लिया और लोगों की मदद से उसके हाथ से पिस्टल छीन ली। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य की तलाश जारी है। घटना रात करीब 12:30 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, पहले तीन युवक ढाबे पर खाना खाने आए थे। कुछ देर बाद तीन अन्य युवक वहां पहुंचे और दोनों पक्षों के बीच किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते कहानुनी हाथापाई में बदल गई। ढाबे के कर्मचारियों ने बीच-बचाव कर दोनों पक्षों को बाहर निकाल दिया, लेकिन विवाद शांत नहीं हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इसी दौरान एक युवक ने तमंचा निकालकर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। दो राउंड फायर हुए। एक गोली ढाबा संचालक जख्मर उसमानी के पैर में लगी, जबकि दूसरी सड़क के ड्रिवाइवर से टकराई। गोली चलने से अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग दहशत में आ गए। जख्मर उसमानी ने बताया कि कुछ युवक पहले से बैठे श्राहकों को निशाना बनाकर आए थे। हाथापाई के बाद अवानक फायरिंग शुरू कर दी गई। गोली लगने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और मौके पर मौजूद लोगों के साथ मिलकर आरोपी को दबोच लिया। थ्रीड जुटने के बाद युवक के हाथ से पिस्टल छीन ली गई। सूचना मिलते ही सराय ख्वाजा चौकी और थाना शाहगंज पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायल को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे खतरे से बाहर बताया है। पुलिस ने मौके से पकड़े गए आरोपी को हिरासत में लिया और दबिश देकर उसके एक अन्य साथी को भी गिरफ्तार कर लिया। तीसरे आरोपी की तलाश में पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दो व्यक्तियों ने ढाबे पर खाना खा रहे अन्य युवकों के साथ मारपीट की थी और एक अन्य युवक द्वारा बाहर से पत्थर भी फेंके गए। ढाबा संचालक द्वारा विरोध करने पर आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की और फायरिंग कर दी। मामले में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने रात में गश्त बढ़ाने और असांजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के अपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हाईस्कूल / इण्टरमीडिएट यू0पी0 बोर्ड परीक्षा - 2026 की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षा वर्ष2026 को सकुशल, पारदर्शी एवं सुचिता पूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अतुल वत्स ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के साथ पुलिस लाइन, हाथरस स्थित ऑडिटोरियम में सैक्टर/स्टेटिक मजिस्ट्रेट्स एवं केन्द्र व्यवस्थापकों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने केन्द्र व्यवस्थापकों, वाह्य केन्द्र व्यवस्थापकों एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेटों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए शासन की गाइडलाइन के अनुरूप परीक्षा को सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं नकलविहीन ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर विद्यार्थियों की सुविधा एवं सुरक्षा सर्वोपरि है। बैठने की समुचित व्यवस्था, पर्याप्त प्रकाश, पेयजल, शौचालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएं।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यदि किसी कारणवश परीक्षाथी व्यवस्थित ढंग से परीक्षा नहीं दे पाता है तो इसकी पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित केन्द्र व्यवस्थापक एवं तैनात अधिकारियों की होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी केंद्र पर मानकों



के अनुरूप व्यवस्थाएं नहीं पाई जाती हैं तो उस केंद्र को निरस्त कर भविष्य में परीक्षा के अनुरूप बनाए जाने की संसुति की जाएगी। परीक्षा संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता पर कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने परीक्षा कक्षों में सीसीटीवी कैमरे, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, उत्तर पुस्तिकाओं के वितरण व संकलन तथा प्रवेश व्यवस्था पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। संवेदनशील एवं अति संवेदनशील केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी और किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि पर त्वरित कार्यवाही की जाएगी।

यूपी बोर्ड परीक्षा की तैयारी: जिलाधिकारी ने केंद्र व्यवस्थापक और मजिस्ट्रेटों को दिए सख्त निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा, जो 18 फरवरी से शुरू हो रही है, की तैयारियों को लेकर केंद्र व्यवस्थापक, जोनल, सेक्टर और स्टेटिक मजिस्ट्रेटों को विशेष ब्रीफिंग दी। ब्रीफिंग का मुख्य उद्देश्य परीक्षा के नकलविहीन और शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करना और किसी भी प्रकार की लापरवाही को रोकना था।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि परीक्षा के दौरान किसी भी केंद्र में लापरवाही पाए जाने पर केंद्र व्यवस्थापक जिम्मेदार होंगे। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कैमरा, पर्याप्त प्रकाश, शौचालय और पेयजल जैसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित होनी चाहिए। छात्राओं की तलाशी के लिए महिला पुलिस कर्मियों और शिक्षिकाओं की तैनाती की जाए। साथ ही सभी मजिस्ट्रेट और केंद्र व्यवस्थापक बोर्ड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों



का पालन करें, किसी भी स्तर पर गलती अक्षम्य होगी। जनपद में हाईस्कूल में 60,371 छात्र शामिल हैं, जिसमें 32,556 बालक और 27,815 बालिका हैं। इंटरमीडिएट में कुल 61,551 छात्र होंगे, जिनमें 35,415 बालक और 26,136 बालिका शामिल हैं। कुल मिलाकर जिले में 1,21,922 छात्र-छात्राएं परीक्षा में भाग ले रहे हैं। जिलाधिकारी ने केंद्र व्यवस्थापकों को स्ट्रॉंग रूम की फुलप्रूफ सुरक्षा

के लिए रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। साथ ही परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और अन्य संवेदनशील बिंदुओं पर निगरानी रखने के निर्देश भी दिए। परीक्षा के दौरान नकल माफियाओं, फर्जी अभ्यर्थियों और पेपर लीक की घटनाओं पर विशेष निगरानी रखने के लिए सभी मजिस्ट्रेटों को सतर्क रहना का निर्देश दिया गया।

अपर जिलाधिकारी नगर ने बताया कि परीक्षा संचालन के लिए जिले के 154 परीक्षा केंद्रों को छह जोन और 15 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। इसके तहत छह जोनल मजिस्ट्रेट, 15 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 172 स्टेटिक मजिस्ट्रेट और 18 अति संवेदनशील केंद्रों पर अतिरिक्त स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। सभी मजिस्ट्रेट परीक्षा के दौरान केंद्रों का निरीक्षण करेंगे, समय-समय पर भ्रमण और चैकिंग करेंगे परीक्षा में भाग ले रहे हैं। जिलाधिकारी ने केंद्र व्यवस्थापकों को स्ट्रॉंग रूम की फुलप्रूफ सुरक्षा

ऑटो चोरी का बड़ा खुलासा: 36 घंटे में तीन आरोपी गिरफ्तार, चोरी का ऑटो बरामद



मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। थाना मलपुरा पुलिस ने 36 घंटे के भीतर ऑटो चोरी की सनसनीखेज घटना का पदाफाश करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चोरी का ऑटो और उसमें रखा सामान बरामद किया है। यह कार्रवाई क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में अहम मानी जा रही है। जानकारी के अनुसार, दिनांक 11 फरवरी 2026 की रात करीब 9 बजे खेरिया मोड़ से तीन सवारियों ने ऑटो चुरा किया। जैसे ही चालक ऑटो से उतरकर पेशाब करने गया, तोनों ने मिलकर ऑटो और उसमें रखा मोबाइल, आधार कार्ड व अन्य सामान चोरी कर लिया। इसके बाद ऑटो को सिरौली रोड नई कालोनी में सुनसान जगह पर खड़ा कर उसे बेचने की योजना बनाई जा रही थी। आटो चोरी की शिकायत वादी रहीस खां ने थाना मलपुरा में दर्ज कराई। पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और मुखबिर की सूचना पर 13 फरवरी को चैकिंग और गश्त के दौरान तीनों अभियुक्तों को पकड़ लिया। उनके कब्जे से चोरी का ऑटो, मोबाइल, आधार कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस बरामद किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्तों में विक्की पुत्र बच्चू सिंह, निवासी सत्य नगर; नीरज पुत्र हरिश्चन्द्र, निवासी अम्बेडकर मूर्ति सतोमाता मंदिर के पास, बल्हेरा; और सूरज पुत्र कमल सिंह, निवासी इण्डेन गैस गोदाम के पास, अजीजपुर शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि सभी अभियुक्तों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पृष्ठताछ में उन्होंने ऑटो चोरी की पूरी कहानी बयां की। पुलिस ने कहा कि चोरी की वारदातों को रोकने के लिए गश्त और चैकिंग लगातार तेज की जा रही है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता की सराहना की है। पुलिस की यह कार्रवाई न केवल अपराधियों के लिए चेतावनी है, बल्कि शहर में सुरक्षा व्यवस्था पर जनता का भरोसा भी मजबूत करती है।

जुआ खेलते 5 आरोपी गिरफ्तार, 14 हजार रुपये और ताश के पत्ते बरामद

मोर्निंग सिटी संवाददाता



आगरा। थाना कागारौल पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बड़ी कार्रवाई करते हुए कस्बा कागारौल के बड़ी बस्ती इलाके से हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे पांच जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 52 ताश के पत्ते और 14,230 रुपये बरामद किए। यह कार्रवाई क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए अहम मानी जा रही है। जानकारी के अनुसार, 13 फरवरी 2026 को थाना कागारौल पुलिस टीम ने चैकिंग और गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई की। मौके पर पुलिस ने जुआ खेल रहे पांचों अभियुक्तों को रंगे हाथ पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार जुआरियों ने ताश के पत्तों और नगदी के साथ ही जुआ खेलने की पूरी योजना बनाई थी। गिरफ्तार अभियुक्तों में महैराज पुत्र अशफाक (मोहल्ला हताई), सुमित कुरैशी पुत्र अलेनबी (बीच का तकिया), अभिषेक पुत्र बहादुर (जाटव बस्ती), शमी कुरैशी पुत्र अजमेरी (बोरान मोहल्ला) और आकाश कुरैशी पुत्र सईद कुरैशी (हताई मोहल्ला) शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि सभी अभियुक्तों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है और उनकी हिरासत में पृष्ठताछ जारी है। इससे पहले भी इलाके में ऐसे अवैध खेल की शिकायतें मिल चुकी थीं।

शिव तेरस पर कांवड़ियों की सेवा में जुटे समाजसेवी



मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। शिव तेरस के पावन अवसर पर कांवड़ियों की सेवा के लिए आगरा रोड स्थित शिविर में विशेष आयोजन किया गया। इस दौरान, पूर्व पालिका अध्यक्ष पंडित आशीष शर्मा की उपस्थिति ने सेवा कार्य में जुटे स्वयंसेवकों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने शिवभक्तों का फूल-मालाओं से स्वागत कर जल व फल वितरित किए।

इस अवसर पर कहा गया कि शिव तेरस और महाशिवरात्रि के दौरान जनपद भक्ति भाव में सराबोर है तथा

विभिन्न समाजसेवी संगठन कांवड़

यात्रियों की सेवा में जुटे हैं। सेवा को

परम धर्म बताते हुए कहा गया कि दूर-

दराज से गंगाजल लेकर आ रहे

श्रद्धालुओं की सहायता करना सभी का

दायित्व है। शिविरों में शुद्ध पेयजल,

फलाहार, प्राथमिक उपचार, विश्राम के

लिए गद्दे-रज्जाई तथा आवश्यक

चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था की गई।

स्वयंसेवकों ने दिन-रात सेवा भाव से

व्यवस्थाएं सभालीं। कार्यक्रम में अनेक

समाजसेवी मौजूद रहे और कांवड़ियों

के प्रति श्रद्धा एवं सहयोग का संदेश

दिया गया।

महाशिवरात्रि की तैयारियों को लेकर नगर पंचायत प्रशासन अलर्ट

ईओ विकास कुमार जैन ने सफाई व्यवस्था का लिया जायजा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। नगर पंचायत सासनी में महाशिवरात्रि पर्व के दृष्टिगत नगर पंचायत प्रशासन पूरी तरह से सक्रिय हो गया है। त्वाहार के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए अधिशासी अधिकारी विकास कुमार जैन ने स्वयं मोर्चा सभालते हुए नगर की सफाई व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण किया।

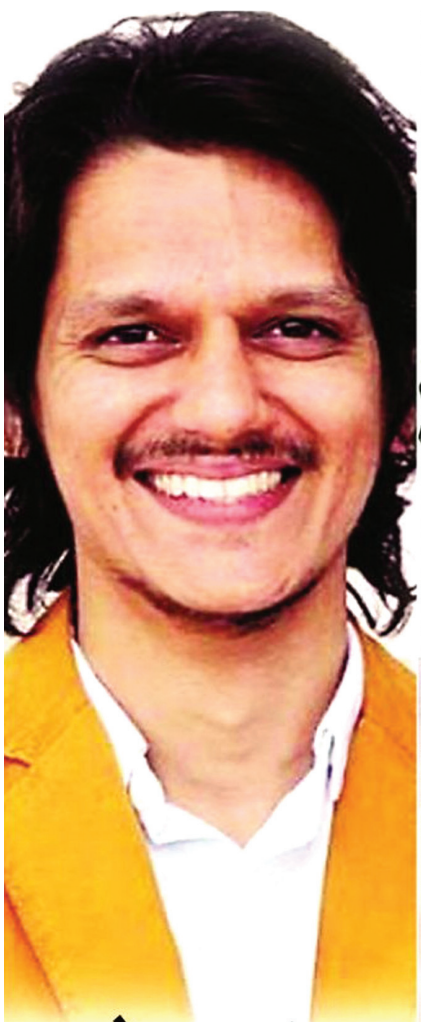
निरीक्षण के दौरान ईओ विकास कुमार जैन ने सफाई कर्मचारियों और फोल्ड स्टाफ के साथ बैठक की।

मंदिर जाने वाले सभी मार्गों पर विशेष सफाई अभियान चलाया जाए। कूड़े के ढेरों को तत्काल हटया जाए और नालियों की तली-झाड़ सफाई सुनिश्चित की जाए। सड़कों और मंदिर परिसरों के आसपास चूने व कीटनाशक का छिड़काव किया जाए।



इस मौके पर अमरदीप बाबु, नंदु बाबु, और दीपेश वर्मा ने फोल्ड की स्थितियों से अवगत कराया। वहीं, व्यवस्थाओं को सुचारु बनाने में रजनीश भैया, लाला सफरहीन, साहिल और दिलेन ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ईओ विकास कुमार जैन ने कहा हमारा उद्देश्य है कि शिवरात्रि के पावन अवसर पर नगर स्वच्छ और सुंदर दिखे ताकि श्रद्धालुओं को सुगम वातावरण मिल सके। लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।



डायरेक्टर हंसल मेहता के साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास है

नेटफिलक्स के कार्यक्रम में वेब सीरीज 'फैमिली बिजनेस' की स्टार कास्ट ने शिरकत की। इस दौरान अभिनेता विजय वर्मा और अनिल कपूर ने फिल्म के कलाकारों और टीम की तारीफ की। अभिनेता विजय वर्मा ने कार्यक्रम के दौरान अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत खास है। मुझे अपने फेवरेट डायरेक्टर हंसल मेहता के साथ पहली बार काम करने का मौका मिला है। हंसल ने कमाल का काम किया है। उनका काम करने का तरीका बिल्कुल लेटेस्ट है। इस सीरीज में मेरा किरदार बेहद शानदार है। इसमें मैंने पहली बार विक्रम के साथ काम किया है और अनिल तो एवरग्रीन है ही। हमेशा उदार, सबसे डेशिंग, सबसे शानदार और सबसे कम उम्र के एक्टर जिनके साथ मैंने काम किया। उनकी एनर्जी और काम के प्रति जोश देखकर मजा आता है। रिया और नंदीश के साथ भी पहली बार शूटिंग की और बहुत मस्ती हुई। इस प्रोजेक्ट में कई 'पहली बार' वाली चीजें हुईं। अभिनेता अनिल कपूर ने भी अपनी खुशी जाहिर की। सबसे पहले उन्होंने शो की होस्ट जॉनी लिवर की बेटी जैमी लिवर के काम की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'जैमी, मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूँ। याद है, मैंने आपको सबसे पहले कॉल किया था, जब आपने करियर भी शुरू नहीं किया था।' इसके बाद अभिनेता ने टीम की सराहना करते हुए कहा, 'यहां मौजूद सभी लोग, विजय, हंसल, विक्रम, प्रोड्यूसर, मेरा पुराना दोस्त आकाश और बाकी सभी कलाकार। आप सभी के साथ काम करके बहुत मजा आया। ये सभी युवा कलाकार मुझे कड़ी टक्कर दे रहे हैं। जैसा कि मैं कहता हूँ, मेरा मुकाबला बढ़ रहा है। इनके साथ मुकाबला करके मैं खुद को जवान महसूस करता हूँ। आप सभी युवाओं के साथ काम करके बहुत अच्छा लगता है।'



नीरज पांडे के साथ काम करना मेरे करियर के सबसे यादगार अनुभवों में से एक

भारतीय सिनेमा में जब किसी अभिनेता को बड़े फिल्मकारों और कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिलता है, तो वह अनुभव उनके करियर को बदलने वाला साबित होता है। इस कड़ी में अभिनेता अक्षय ओबेरॉय को नीरज पांडे-रितेश शाह के निर्देशन और एक्टर मनोज बाजपेयी के साथ एक प्रोजेक्ट पर काम करने का अवसर मिला, जो उनके लिए सीखने और प्रेरणा लेने वाली यात्रा बन गई। इंटरव्यू में उन्होंने अनुभवों को साझा किया। अक्षय ओबेरॉय ने कहा, 'नीरज पांडे के साथ काम करना मेरे करियर के सबसे यादगार अनुभवों में से एक रहा है। वह जिस जॉनर में फिल्म बनाते हैं, उसमें उनकी पकड़ और समझ अनोखी है। सेट पर हर दिन उनके साथ काम करना किसी मास्टरक्लास से कम नहीं होता। उनकी सटीकता, कहानी पर पकड़ और विजुअल बनाने का तरीका मुझे लगातार सीखने का अवसर देता रहा है। मेरा मानना है कि इस फिल्म ने मुझे एक बेहतर अभिनेता बनने में मदद की है और मेरी कला को और निखारा है।' फिल्म के निर्देशक रितेश शाह को लेकर अक्षय ने कहा, 'उनके काम की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह किरदारों और भावनाओं को गहराई से समझते हैं। उनके निर्देशन में हर सीन में एक

वास्तविकता और वजन आता है। मैंने उनके साथ काम करते हुए हर सीन को अधिक संवेदनशील और प्रभावशाली ढंग से निभाने की कला सीखी। यह अनुभव मेरे लिए चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ बेहद संतोषजनक भी रहा।'



हमें कभी पांच फिल्मों का कॉन्ट्रैक्ट नहीं मिलता

एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी हाल ही में 'गांधी टॉक्स' में विजय सेतुपति के अपोजिट नजर आईं। अगर उजाला से खास बातचीत में उन्होंने बताया कि यह साइलेंट फिल्म उनके लिए कितनी खास थी? बातचीत के दौरान अदिति ने हिंदी फिल्मों में काम करने का कारण भी खुलकर बताया। गांधी टॉक्स के लिए हमी भरने की सबसे बड़ी वजह क्या रही? मेरा हमेशा से सपना रहा कि मैं किसी मूक फिल्म में काम करूँ। जब गांधी टॉक्स मेरे पास आई, तो मैं सच में बेहद खुश हुई। फिल्म की टीम ने इसे और भी दिलचस्प बना दिया। जिस तरह किशोर (निर्देशक) ने इसका ढांचा बनाया, रहमान ने शानदार संगीत दिया और विजय सेतुपति, अरविंद स्वामी व सिद्धार्थ जाधव जैसे बेहतरीन कलाकार मिले। सबने मिलकर इस फिल्म को खास बना दिया। इसके अलावा मेरे किरदार को लेकर किशोर ने साफ कहा था कि यह सिर्फ एक लव इंटरैक्ट तक सीमित नहीं है, बल्कि कहानी का भावनात्मक हिस्सा भी है।

चार साल में हमने आपको ज्यादा हिंदी फिल्मों में नहीं देखा। क्या वजह रही? बात बस इतनी सी है कि अगर मुझे अच्छा काम मिलेगा तो ही मैं हिंदी फिल्म में करूंगी। सच्चाई यह है कि हम जैसे लोग जो बाहर से बॉलीवुड में आते हैं, हमें हर फिल्म के साथ बॉलीवुड में खुद को साबित करना पड़ता है और मैं यह बिना किसी शिकायत या नकारात्मकता के कह रही हूँ। ऐसा कभी नहीं होता कि हमने पांच फिल्मों के कॉन्ट्रैक्ट साइन कर लिए हों। हमें हर नई फिल्म में खुद को फिर से प्रूफ करना पड़ता है। मैं 2011 से काम कर रही हूँ और मेरा मानना है कि टैलेंट अपना रास्ता खुद बना लेता है। बाकी मैं खुशकिस्मत हूँ कि मुझे देश के कई शानदार निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला।



चिरंजीवी की अगली फिल्म में हुई अनुराग कश्यप की एंट्री

साउथ के मेगास्टार चिरंजीवी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'मन शंकर वर प्रसाद गारु' की सफलता का जश्न मना रहे हैं। इस फिल्म को न सिर्फ दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है, बल्कि फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारों ने भी इसकी जमकर तारीफ की है। इसी बीच चिरंजीवी की अगली फिल्म को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... चिरंजीवी ने अपनी अगली फिल्म फाइनल कर ली है, जिसका ऐलान जल्द किया जाएगा। खास बात यह है कि इस फिल्म में बॉलीवुड के जाने-माने निर्देशक और अभिनेता अनुराग कश्यप भी नजर आ सकते हैं। बताया जा रहा है कि अनुराग फिल्म में एक अहम किरदार निभाएंगे। चिरंजीवी इस प्रोजेक्ट के लिए निर्देशक बांबी के साथ हाथ मिलाने जा रहे हैं। फिल्म का शुभारंभ फरवरी में किया जाएगा, जिसके तुरंत बाद शूटिंग शुरू होने की संभावना है।



'कॉकटेल 2' के बाद रोमांटिक कॉमेडी फिल्म का हिस्सा होंगे शाहिद और रश्मिका

शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना अपकमिंग फिल्म 'कॉकटेल 2' में एक-साथ नजर आने वाले हैं। खबर है कि इस फिल्म के अलावा वह एक नई फिल्म में नजर आएंगे। 'कॉकटेल 2' में दोनों की कैमिस्ट्री को लेकर फैंस उत्साहित हैं। अब वह अनिल शर्मा के निर्देशन में बनने वाली नई फिल्म का हिस्सा होंगे। काम करते हुए ही बॉलिवूड वैरायटी इंडिया के मुताबिक 'कॉकटेल 2' में काम करते हुए उनकी काफी तारीफ हुई। इस फिल्म से उनके लिए दूसरी फिल्म का रास्ता बना। बताया जाता है कि 'कॉकटेल 2' की शूटिंग के दौरान शाहिद और रश्मिका के बीच अच्छी बॉलिवूड बन गई। जब उनसे नए प्रोजेक्ट के लिए संपर्क किया गया, तो वे एक-साथ काम करने के लिए तुरंत तैयार हो गए। अनाम फिल्म में रोमांस और कॉमेडी का मिश्रण होगा। इसे सुनील खेरपाल प्रोड्यूस करेंगे।

रिलीज हो सकती है। शाहिद और रश्मिका का काम बर्क फ्रंट की बात करें तो शाहिद कपूर, विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी फिल्म 'ओ रोमियो' में नजर आने वाले हैं। गैंगस्टर हुसैन उस्तरा से प्रेरित यह फिल्म 13 फरवरी, 2026 को रिलीज होगी। वहीं, रश्मिका मंदाना विजय देवरकोंडा के साथ 'रणबाली' में नजर आएंगी। यह फिल्म 11 सितंबर, 2026 को रिलीज होगी।



कब रिलीज होगी 'कॉकटेल 2'

फिल्म 'कॉकटेल 2' ने निर्देशक होमी अजानिया हैं। यह 2012 में रिलीज हुई फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल है। इसमें शाहिद और रश्मिका के अलावा कृति सेनन भी अहम किरदार में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म इस साल सितंबर में

मैं टीवी सीरियल टाइप का काम नहीं करना चाहता था लेकिन....



भारतीय टेलीविजन में ओवरनाइट सक्सेस बहुत कम लोगों को मिलती है और उन्हीं बेहद कम लोगों में एक नाम पुलकित सम्राट का भी शामिल है। जी हाँ, एक साधारण से टीवी ऑडिशन, जिसे उन्होंने थोड़ी हिचकिचाहट के साथ स्वीकार किया था, वही आगे चलकर ना सिर्फ उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ, बल्कि उसी ने उन्हें हर घर का चर्चित चेहरा भी बना दिया।

खुद को वर्सेटाइल एक्टर के तौर पर देखनेवाले पुलकित सम्राट अपने करियर की शुरुआत टीवी नहीं करना चाहते थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि डेली सोपस ज्यादातर मेलेड्रामा तक ही सीमित

रहते हैं। लेकिन शायद किस्मत को कुछ और मंजूर था और उसी ने उन्हें लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचा दिया। इस सिलसिले में पुलकित सम्राट कहते हैं, 'मुझे याद है मैंने साफ कहा था कि मैं टीवी सीरियल टाइप का काम नहीं करना चाहता, बल्कि मैं कुछ अलग और वर्सेटाइल करना चाहता था। लेकिन फिर कास्टिंग टीम ने मुझे समझाया कि यह किरदार बाकी टीवी रोलस से अलग है। इसमें गहराई के साथ कुछ नया करने का मौका था और सबसे अहम बात यह थी कि मुझे एकता कपूर से मिलने का अवसर मिलने वाला था। इसी बात ने मुझे मुंबई आने के लिए राजी कर लिया और मैं रातों-रात दिल्ली से मुंबई आ गया।' गौरतलब है कि एकता कपूर पहले ही पुलकित की तस्वीरें देख चुकी थीं और उनसे मुलाकात के बाद वे निश्चित हो चुकी थी कि उनके सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के लक्ष्य वीरानी वही होंगे। ऐसे में मुंबई आते ही उनकी ग्रूमिंग शुरू हुई। उन्हें नया हैयरकट दिया गया और स्क्रीन टेस्ट कराया गया और फुटेंज देखते ही उनके नाम पर मोहर लगाते हुए एकता कपूर ने कहा, 'ओके, डन। रेडी।' हालांकि इस बड़ी सफलता के बीच ही पुलकित को

रह-रहकर अपना परिवार याद आ रहा था, जिन्हें वे बिना बताए दिल्ली छोड़कर मुंबई चले आए थे। उनसे मिलने की तड़प और अपनी कामयाबी की खबर देने के लिए उन्होंने पीठ दर्द का बहाना बनाते हुए एक रात के लिए दिल्ली लौटने की इजाजत मांगी और पहुँच गए अपने पैरेंट्स से मिलने। दिल्ली एयरपोर्ट पर अपने पैरेंट्स को देखते ही वे भावुक हो उठे। उस घटना को याद करते हुए पुलकित बताते हैं, 'आंखों में आंसू लिए मैं उनके गले लगा। शब्द बहुत काम थे, बस थी तो भावनाएँ। हालांकि कुछ ही घंटों बाद मैं फिर से मुंबई लौट आया लेकिन इस बार एक नए आत्मविश्वास और बदली हुई जिंदगी के साथ

लौटा था।' 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में पुलकित की एंट्री बेहद खास रही थी। शो की जेनरेशन लीप के साथ उन्हें लॉन्च किया गया था और वे 'वो कृष्णा है' गीत के साथ सीधे दर्शकों के दिलों में उतर गए। गौर करनेवाली बात ये भी है कि यह किसी टीवी किरदार के लिए बनाए गए शुरुआती फुल-लेंथ लॉन्च सॉन्ग्स में से एक था। और इस तरह मौनी रॉय के साथ मिलकर वह नई पीढ़ी का चेहरा बने। इस सिलसिले में पुलकित कहते हैं, 'रातों-रात मैं एक जाना-पहचाना नाम बन चुका था और फिर उसके बाद मैंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

'ग्लोरी' से ओटीटी पर कदम रखने का रहे हैं पुलकित

'फुकरे' की लोकप्रियता के बाद 'तैश', 'सनम रे' और 'राहु केतु' में अलग-अलग तरह के किरदार निभाते हुए फिलहाल वे 'ग्लोरी' से न सिर्फ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कदम रखने जा रहे हैं, बल्कि पहली बार बॉक्सर का किरदार निभाते हुए अपने करियर को लगातार आगे बढ़ा रहे हैं। फिलहाल पुलकित सम्राट की यह कहानी बताती है कि कभी-कभी एक सही मौका पूरी जिंदगी बदल देता है, लेकिन उस मौके को आगे ले जाने के लिए मेहनत, धैर्य और सही फैसले सबसे जरूरी होते हैं।